



विकसित भारत की कल्पना.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता



हॉलीवुड में फिल्म निर्माण... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 210

गाजियाबाद / रविवार 01 नवम्बर 2026

PRGI No. - UPHIN/25/A0086

पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रुपए

संक्षिप्त

समाचार

पटना स्नातक चुनाव में दिखा निशांत कुमार का दम!

- जेडीयू में उभरा नया नेतृत्व, पार्टी के लिए साबित हुए 'ट्रम्प कार्ड'

पटना (एजेंसी)। बिहार में आठ सीटों के लिए संपन्न एमएलसी चुनाव के परिणाम चाहे जिसके पक्ष में आए हों, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के पुत्र और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार इस चुनाव के दौरान जिस लिटमस टेस्ट में शामिल हुए, उसमें उन्हें कम्बोबेस सफलता तो



मिल गई। खास कर पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव को जिस तरह से जदयू के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बना खाला वो एक चुनौती तो थी। पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव पर जब जनता दल यू की गुटबाजी की छाया पड़ गई तो प्रथम दृष्टि में लगा कि ये सीट कहीं गुटबाजी की भेंट न चढ़ जाए। ठीक ऐसे समय में निशांत कुमार ने पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की जिम्मेवारी ली। पिता नीतिश कुमार का आशीर्वाद लिया और पहली चुनावी यात्रा नालंदा, नवादा से शुरू की थी। साथ में उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी को लेकर जन संपर्क स्थापित किया।

यूपी में भाजपा ने क्या किया, ये घर-घर पहुंचकर बताएंगे

- विनोद तावड़े बोले-हैट्रिक जरूरी 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए तैयार हुआ रोडमैप

लखनऊ (एजेंसी)। भाजपा विधानसभा चुनाव से पहले घर-घर पहुंचेगी। 2017 के बाद यूपी कैसे बदल गई। अपराध कैसे कम हुए, डेवलपमेंट कितना हुआ, ये लोगों को बताया जाएगा। इंस्टाग्राम पर भी भाजपा कार्यकर्ता क्षेत्र में हुए कामों के वीडियो बनाकर पोस्ट करेंगे। ये फैसला प्रदेश पदाधिकारियों के



साथ प्रांतीय कार्यालय में हुआ। उत्तर प्रदेश के प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े ने कहा- गुहमंत्री अमित शाह ने जो रास्ता दिखाया है, सभी कार्यकर्ताओं को उस दिशा में पूरी शिद्दत से काम करना है। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता दिनेश प्रताप सिंह ने कहा- लखनऊ में आयोजित कार्यसमिति की बैठक में देश के वरिष्ठ नेता और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का मार्गदर्शन कार्यकर्ताओं को मिला। गृह मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी आंद का पांव बन चुकी है।

राहुल गांधी के दौरे से पहले 'पंजाब' के चुनाव पर मंथन

- दिल्ली में कांग्रेस की हाई-लेवल मीटिंग, दिग्गज नेता जुटे!



नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सत्ता के गलियारों में सियासी गर्मी बढ़ती जा रही है। जहां एक तरफ बीजेपी और कांग्रेस पंजाब में सत्ता में बैठी आम आदमी पार्टी की सरकार पर निशाना साध रही है, वहीं सूबे के सीएम भगवंत मान जोरदार पलटवार करते नजर आ रहे हैं। इस बीच कांग्रेस ने लोकसभा

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के दौरे से पहले हाई लेवल मीटिंग की है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मीटिंग की फोटो पोस्ट करते हुए लिखा कि पंजाब एक निर्णायक बदलाव और एक नई, परिवर्तनकारी शुरुआत के लिए तयस रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे लिखा कि आम आदमी पार्टी ने लोगों के भरोसे को तोड़ा है।

पंजाब की प्रगति के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी कांग्रेस

उन्होंने आगे लिखा कि कांग्रेस पार्टी पंजाब के मान-सम्मान और गौरव को बहाल करने, इसके भविष्य को सुरक्षित करने, और राज्य में शांति, समृद्धि व प्रगति का एक नया दौर लाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। बैठक में कांग्रेस महासचिव और पंजाब प्रभारी सचिन पायलट, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष परगट सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रताप सिंह बाजवा समेत प्रदेश इकाई के कई अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

जम्मू-कश्मीर में उमर के खिलाफ 24 विधायक लामबंद

- 4 दिन पहले बने चार मंत्रियों, सीएम के सलाहकार को हटाने की मांग



श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद असंतोष के संकेत मिले हैं। पार्टी के 24 विधायक मुख्यमंत्री के खिलाफ एकजुट हो गए हैं। 18 विधायकों ने शुक्रवार को श्रीनगर में लोलाव विधायक कैसर जमशेद लोन के घर बैठक की, जबकि 6 विधायक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए। विधायकों ने मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर सोगामी और 27 अक्टूबर को कैबिनेट विस्तार में बने 4 नए मंत्रियों को हटाने की मांग की। इसके साथ वे मंत्रिमंडल में बड़े बदलाव की मांग कर रहे हैं। सोगामी पर पार्टी नेतृत्व को गुमराह करने और संगठन के कामकाज में हस्तक्षेप करने का आरोप है।

होर्मुज में हमले का नया तरीका, जहाज पर चिपकाया बम

धमाके से इंजन रुम जला, 27 भारतीय मौजूद थे, सभी सुरक्षित

ओमान (एजेंसी)। होर्मुज में गुरुवार को 27 भारतीय क्रू सदस्यों वाले तेल टैंकर लुईस 1 पर हमला हुआ। पनामा के झंडे वाले इस टैंकर के पास एक छोटी नाव पहुंची थी। नाव से आए लोगों ने जहाज के बाहरी हिस्से (हुल) पर दो लिफ्टेड माइंस बिफुटा दीं और वहां से चले गए। कुछ देर बाद दोनों विस्फोटकों में धमाका हुआ, जिससे इंजन रूम में आग लग गई। इसकी वजह से जहाज का इंजन कुछ समय के लिए बंद हो गया। हालांकि, क्रू ने आग पर काबू पा लिया और जहाज को सुरक्षित कर लिया। हमले के पीछे किसका हाथ है, इसकी



पुष्टि नहीं हुई है। केन्द्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने बताया कि जहाज पर सवार सभी 27 भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। किसी को चोट नहीं आई है।

इजराइल के आम चुनाव की होगी जांच

खुफिया एजेंसी मोसाद को मिला जांच का जिम्मा

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद इस हफ्ते हुए चुनाव में विदेशी दखल के आरोपों की जांच करेगी। न्यूज चैनल 12 की रिपोर्ट के मुताबिक, इस जांच में

- विदेशी दखल का है आरोप नतीजों पर असर नहीं

आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेट भी शामिल होगी। आरोप है कि कतर और कुछ दूसरे देशों ने मंगलवार को हुए चुनाव में अरब वोटर्स को पैसे देकर ज्यादा से ज्यादा वोट डलवाने की कोशिश की। इस चुनाव में अरब पार्टियों को कुल 19 सीटें मिली हैं। यह इतिहास में उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन है। प्रधानमंत्री बेन्जामिन नेतन्याहू और उनकी पार्टी के नेताओं ने भी अरब पार्टियों पर चुनाव में गड़बड़ी के आरोप



लगाए हैं। इजराइल के केन्द्रीय चुनाव आयोग ने साफ किया है कि जांच का दायरा सीमित है। आयोग के मुताबिक, इस मामले से चुनाव के नतीजों पर कोई असर नहीं पड़ा है और न ही नतीजों पर सवाल उठता है। इजराइल में नेतन्याहू विरोधी दल सरकार बनाने का रास्ता निकालने के लिए प्रधानमंत्री का सीधा चुनाव कराने के प्रस्ताव पर

विचार कर रहे हैं। इस व्यवस्था के तहत जनता अलग से प्रधानमंत्री चुनेगी और इससे अरब पार्टियों के समर्थन के बिना अल्पमत सरकार बनाने का रास्ता खुल सकता है। द टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, हिब्रू मीडिया ने बताया कि विपक्षी गठबंधन इस प्रस्ताव को लागू करने के लिए कानून लाने पर विचार कर रहा है।

बांग्लादेश में भारत के ट्रॉजिट कॉरिडोर का विरोध

- विपक्षी नेता बोले-देश की जमीन भारत को नहीं देंगे

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में भारत के ट्रॉजिट कॉरिडोर का विरोध हो रहा है। विपक्षी नेता नाहिद इस्लाम ने शुक्रवार को ढाका में एक रैली के दौरान आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान की सरकार बांग्लादेश में भारत को ट्रॉजिट कॉरिडोर देने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की जमीन भारत को नहीं दी जाएगी। ट्रॉजिट कॉरिडोर का मतलब एक देश की जमीन और सड़क का इस्तेमाल



करके दूसरे देश के किसी हिस्से तक सामान पहुंचाना है। इससे दूरी और सामान पहुंचाने में लगने वाला समय कम हो सकता है। नाहिद ने गंगा जल समझौते को लेकर भी सरकार से सख्त रुख अपनाने को कहा। उन्होंने कहा कि अगर समझौते को नए सिरे से करते समय बांग्लादेश के हितों का ध्यान नहीं रखा गया, तो लोग इसके विरोध में सड़कों पर उतरेंगे।

नाहिद इस्लाम की रैली में भारत विरोधी नारे भी लगे

नेशनल सिटिजन पार्टी के नेता नाहिद इस्लाम की अगुआई में तारिक रहमान सरकार के खिलाफ ढाका में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन भी हुआ। प्रदर्शनकारी बढ़ती महंगाई, बिजली संकट और पेट्रोल-डीजल व गैस की कमी से नाराज थे। उन्होंने गृह मंत्री और ऊर्जा मंत्री के इस्तीफे की मांग की। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने भारत विरोधी नारे भी लगाए।

95 साल बाद जनगणना में पूछी जाएगी आपकी जाति

- यूपी और पंजाब समेत 5 चुनावी राज्यों में फिलहाल नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में जनगणना का दूसरा फेज 25 जनवरी 2027 से शुरू होगा, जो 28 फरवरी तक चलेगा। इस बार 40 सवाल पूछे जाएंगे। जनगणना का घरेलू की गिनती का पहला फेज जून 2026 में पूरा हो चुका है। बड़ी बात ये कि 95 साल बाद यानी 1931 के बाद पहली बार देश में जाति की गिनती हो रही है। 5 राज्यों मणिपुर, गोवा, उत्तर प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड को छोड़कर पूरे देश में जनगणना होगी। इन राज्यों में 2027 की

शुरुआत में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। बर्फबारी वाले क्षेत्रों-लद्दाख, जम्मू-कश्मीर और



हिमाचल प्रदेश में भी जनगणना नहीं होगी। सरकार की अधिसूचना के मुताबिक 10 से 24 जनवरी 2027 तक आप खुद पोर्टल पर डेटा भर सकते हैं।

इन राज्यों में जनवरी-फरवरी में जनगणना नहीं

मणिपुर में जातीय हिंसा की वजह से हालात अभी सामान्य नहीं हैं। इसलिए मणिपुर की जनगणना अनिश्चितकाल के लिए टाल दी गई है। गोवा, उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड और मणिपुर में 2027 की शुरुआत में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं, इसलिए स्टाफ चुनाव में लगेगा। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश के बर्फ वाले इलाके जैसे लाहौल-स्पीति, किन्नोर के ऊंचे इलाके। यहां बर्फबारी के चलते रास्ते बंद हो जाते हैं। यहां सितंबर-अक्टूबर में हो सकती है। गृह मंत्रालय के तहत रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया। सेंसस एक्ट 1948 की धारा 3 के तहत आदेश जारी हुआ है।

आशुतोष दीक्षित ने संभाला 'वायु सेना प्रमुख' का कार्यभार तीन प्रमुख सैन्य ऑपरेशनों में दिखा चुके हैं अपनी ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित ने 31 अक्टूबर 2026 को 29वें वायु सेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने एयर चीफ मार्शल एपी सिंह का स्थान लिया है, जो देश की 42 वर्षों की शानदार सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए। आशुतोष दीक्षित का पिछले 40 वर्षों में दमदार करियर रहा है। तीन प्रमुख सैन्य अभियानों में दमदार भूमिका निभाने के साथ आशुतोष दीक्षित को अलग-अलग तरह के विमानों को उड़ाने का 3300 घंटे से अधिक का अनुभव है। वह वायु सेना के अधिकारियों के बीच समन्वय बनाने के लिए जाने जाते हैं।



तीन प्रमुख सैन्य अभियानों में निभा चुके अपनी भूमिका

कारगिल युद्ध के दौरान वायुसेना के ऑपरेशन सफेद सागर में अहम भूमिका निभा चुके हैं। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन रक्षक में अहम भूमिका निभा चुके हैं। पाकिस्तान के खिलाफ बलाए गए ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देने में अहम भूमिका निभाई थी।

हरियाणा और आंध्र में दिल दहलाने वाली वारदात

पंचकूला में केजी की बच्ची के सिर पर 12 बार ईंट मारी

पंचकूला (एजेंसी)। हरियाणा के पंचकूला के एक प्रसिद्ध स्कूल में केजी की छात्रा पर तीसरी कक्षा के छात्र ने बेरहमी से हमला कर दिया। छात्र ने बच्ची का सिर पहले बेंच पर मारा, फिर 19 बार पैर से उसके चेहरे पर लात-घूसों से वार किया। उसके बाल पकड़कर घसीटा। बाद में पीटे जाने की घटना क्लास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज देखकर शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने भी कहा इसे पूरा देखना भी मुश्किल है। उन्होंने मामले की जांच के लिए कमेटी



गठित करने को कहा है। घटना की जानकारी उस वक्त सामने आई जब ऑटो ड्राइवर बच्ची को लेने स्कूल पहुंचा, लेकिन वह नहीं मिली। इसके बाद परिजन तुरंत स्कूल पहुंचे और उसकी तलाश शुरू की।

आंध्र में 10वीं की छात्राओं पर काटने वाली आरी से हमला

अनंतपुर (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में शनिवार को स्कूल की क्लास के अंदर 10वीं की छात्रा पर पावर चैनसॉ (बिजली से चलने वाली आरी) से हमला किया गया। यह वारदात सुबह 10 बजे की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमले में छात्रा का दायां हाथ कट गया और चेहरे, गर्दन और कान पर गंभीर चोटें आईं। उसे बचाने पहुंची दूसरी छात्रा भी घायल हो गई। एक छात्रा की हालत सीरियस है।

फाइव स्टार होटल के स्विमिंग पूल में करंट से दो विदेशी नागरिकों की मौत

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के हलसूर स्थित प्रतिष्ठित पांच सितारा कॉनराड होटल में शुक्रवार की शाम बड़ा हादसा हो गया। होटल की तीसरी मंजिल पर बने स्विमिंग पूल में करंट लगने की आशंका के बीच दो विदेशी नागरिकों की मौत हो गई। उन्हें बचाने की कोशिश में एक अमेरिकी पर्यटक और होटल का लाइफगार्ड भी घायल हो गए। दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है और उनकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है। पुलिस के मुताबिक, हादसे के समय स्विमिंग पूल में मौजूद जर्मनी और स्लोवाकिया के दो नागरिक सद्विध परिस्थितियों में करंट की चपेट में आ गए। शुरुआती जांच में बिजली का करंट लगना मौत की संभावित वजह माना जा रहा है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच और अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं के बाद ही हो सकेगी। हादसे के दौरान दोनों विदेशी नागरिकों को बचाने की कोशिश में 41 वर्षीय अमेरिकी नागरिक मैथ्यू डेस्टिस और 28 वर्षीय राहुल तिवारी भी घायल हो गए। मैथ्यू होटल में ठहरे हुए अमेरिकी पर्यटक हैं, जबकि राहुल तिवारी कॉनराड होटल में पूल अटेंडेंट और लाइफगार्ड के रूप में काम करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने फॉर्म–7 की जांच के दिए आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए फॉर्म–7 के कथित दुरुपयोग का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। अदालत ने मामले की जांच के आदेश देने के साथ ही शिकायतों की पड़ताल और व्यवस्था में सुधार के निर्देश दिए हैं। दरअसल, निर्वाचन आयोग के समक्ष मतदाताओं के नाम कटवाने के लिए फॉर्म–7 जमा किए जाने को लेकर शिकायतें सामने आई थीं। आरोप है कि कुछ मामलों में बड़ी संख्या में फॉर्म जमा किए गए, लेकिन संबंधित मतदाताओं के नाम नहीं हटाए गए। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष इस मामले से जुड़ी याचिकाएं रखी गईं। इनमें एक विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं के नाम हटाने के लिए 32 फॉर्म–7 जमा किए जाने का आरोप भी शामिल है। अदालत ने निर्वाचन आयोग से शिकायतों की जांच कर आवश्यक सुधार करने और रिपोर्ट देने को कहा है।

महाराष्ट्र में दो बार कापी धरती, चार पड़ोसी देशों में भी लगे झटके

- सभी जगहों पर भूकंप की तीव्रता अलग–अलग रही, जानमाल के नुकसान की खबर नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में शनिवार को भूकंप के झटके लगे। महाराष्ट्र के पालघर जिले में शनिवार की आधी रात को धरती दो बार कापी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के आंकड़ों के मुताबिक पहला भूकंप रात 12 बजकर 54 मिनट पर आया, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.2 मापी गई। इसके बाद रात 1 बजकर 30 मिनट पर एक बार फिर झटके लगे और इस दूसरे भूकंप की तीव्रता 2.1 मापी गई। दोनों भूकंप का केंद्र महाराष्ट्र के पालघर में ही था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत में आए इन दो भूकंपों के अलावा अफगानिस्तान, चीन के तिब्बत क्षेत्र, म्यांमार और बांग्लादेश में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए यानी कुछ ही घंटों में एशिया के अलग–अलग हिस्सों में धरती कापी। हालांकि इन सभी जगहों पर दर्ज भूकंप की तीव्रता अलग–अलग रही। राहत की बात यह है कि महाराष्ट्र समेत अन्य देशों में आए भूकंप में अभी तक जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। भारत के अलावा अफगानिस्तान और चीन के तिब्बत क्षेत्र में भी भूकंप दर्ज किए गए। अफगानिस्तान में शनिवार सुबह 3 बजकर 48 मिनट 15 सेकंड पर भूकंप आया, जिसकी तीव्रता 4.0 मापी गई।

धौरेण रोड से सहस्रधारा रोड तक एमडीडीए का बड़ा एक्शन, तीन स्थानों पर अवैध निर्माण सील

देहरादून (शिखर समाचार)। मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने शहर में अवैध एवं अनाधिकृत निर्माणों के खिलाफ अपना अभियान तेज करते हुए शनिवार को बड़ी कार्रवाई की। प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने धौरण रोड स्थित आईटी पार्क क्षेत्र और सहस्रधारा रोड पर तीन अलग-अलग स्थानों पर नियमों के विपरीत किए जा रहे निर्माण कार्यों को सील कर दिया। कार्रवाई के दौरान स्वीकृत मानचित्रों में निर्धारित प्रावधानों से हटकर भवन निर्माण करने और बिना मानचित्र स्वीकृति के व्यावसायिक दुकानों का निर्माण करने के मामले सामने आए। प्राधिकरण ने संबंधित मामलों में नियमानुसार वाद योजित करने और वैधानिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद सीलिंग की कार्रवाई की। एमडीडीए की इस कार्रवाई से अवैध निर्माणकताओं में हड़कंप मचा रहा। प्राधिकरण की पहली कार्रवाई धौरण रोड स्थित आईटी पार्क क्षेत्र के दूत डिवाइज परिसर में की गई। यहां मैसर्स युग रियल एलएलपी (देवेश वरयानी) द्वारा छह स्वीकृत मानचित्रों के तहत प्रस्तावित निर्माणों को आपस में जोड़कर एक भवन के रूप में विकसित किया जा रहा था। प्राधिकरण के अनुसार,



स्वीकृत मानचित्रों से विचलन करते हुए फ्लैट बनाने के उद्देश्य से निर्माण कार्य किया जा रहा था। मामले को गंभीरता से लेते हुए प्राधिकरण ने उत्तराखंड (उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास) अधिनियम के प्रावधानों के तहत वाद योजित किया और नियमानुसार प्रवर्तन कार्रवाई करते हुए संबंधित निर्माण को सील कर दिया। वहीं, दूसरी कार्रवाई सहस्रधारा रोड स्थित संयुक्तिनी विहार में की गई। यहां शुभा राय द्वारा बिना मानचित्र स्वीकृति के तीन दुकानों का निर्माण करया जा रहा था। प्राधिकरण की ओर से संबंधित पक्ष को अपना पक्ष रखने और निर्माण से जुड़े आवश्यक अभिलेख

प्रस्तुत करने के लिए कई अवसर दिए गए, लेकिन संतोषजनक जवाब और जरूरी दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए। इसके बाद सील कर दिया। इसी क्रम में सहस्रधारा रोड पर नॉर्थ साइड सिटी पार्क के निकट साहनी द्वारा बिना मानचित्र स्वीकृति के चार दुकानों का निर्माण किया जा रहा था। इस मामले में भी प्राधिकरण ने नियमानुसार वाद योजित कर वैधानिक प्रक्रिया अपनाई और मौके पर पहुंचकर संबंधित निर्माण को सील कर दिया। इस प्रकार सहस्रधारा रोड पर ही सात दुकानों के अवैध निर्माण पर कार्रवाई की गई। एमडीडीए ने स्पष्ट किया कि देहरादून और



आसपास के क्षेत्रों में सुनियोजित विकास सुनिश्चित करने के लिए भवन निर्माण संबंधी नियमों का पालन अनिवार्य है। बिना मानचित्र स्वीकृति के भवन, दुकान अथवा व्यावसायिक परिसर का निर्माण करना और स्वीकृत मानचित्र के विपरीत निर्माण कार्य करना नियोजन व्यवस्था का उल्लंघन है। प्राधिकरण की ओर से ऐसे मामलों की नियमित निगरानी की जा रही है और शिकायत अथवा जानकारी मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

नियोजित विकास से सम्पड़ोता नहीं, नियम तोड़ने वालों पर होगी कार्रवाई : बंशीधर तिवारी

एमडीडीए के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने कहा कि देहरादून शहर और आसपास के क्षेत्रों का सुनियोजित विकास सुनिश्चित करना प्राधिकरण की प्राथमिकता है। प्रत्येक निर्माण कार्य निर्धारित भवन उपविधियों और स्वीकृत मानचित्र के अनुरूप होना चाहिए। बिना मानचित्र स्वीकृति के निर्माण करना अथवा स्वीकृत मानचित्र में मनमाने ढंग से बदलाव करना नियमों का उल्लंघन है। प्राधिकरण ऐसे मामलों पर लगातार निगरानी रख रहा है और अनाधिकृत निर्माण सामने आने पर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने भवन निर्माणकताओं और आमजन से अपील की कि किसी भी भवन, दुकान या व्यावसायिक

विकसित भारत की कल्पना का रास्ता नशामुक्त भारत निर्माण से होकर गुजरता है

-अमित शाह ने सरदार पटेल की जयंती पर दोहराया नशामुक्त भारत का लक्ष्य

नई दिल्ली , एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर देश को 31 दिसंबर 2029 तक पूरी तरह नशामुक्त बनाने का लक्ष्य फिर दोहराया। उन्होंने देशवासियों से इस अभियान में सक्रिय सहयोग करने की अपील की और कहा कि पीएम मोदी की विकसित भारत की कल्पना का रास्ता नशामुक्त भारत के निर्माण से होकर गुजरता है। शाह ने इस बात पर भी जोर दिया कि देश को नशे से पूरी तरह मुक्त करना युवाओं के भविष्य और राष्ट्र के विकास के लिए बेहद जरूरी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शाह ने

दावा किया कि इस साल 31 मार्च तक देश नक्सलवाद के साये से पूरी तरह बाहर निकल चुका है और अब नशामुक्त राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने पीएम मोदी के कार्यकाल में लिए गए कई बड़े फैसलों और हासिल की गई उपलब्धियों का भी जिक्र किया। उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान को याद करते हुए कहा कि जब भारत आजाद हुआ था, तब दुनिया के कई राजनीतिक विशेषज्ञों ने भविष्यवाणी की थी कि देश बिखर जाएगा, लेकिन आजादी के बाद के मात्र 1,218 दिनों में सरदार पटेल ने वह काम कर दिखाया, जिसे दुनिया

असंभव मान रही थी। शाह ने कहा कि जिस काम को नेताओं का एक समूह मिलकर भी शायद पूरी जिंदगी में नहीं कर पाता, उसे सरदार पटेल ने पूरा कर दिखाया। उन्होंने भारत को एकजुट करने का ऐतिहासिक काम किया और रियासतों का विलय कर एक सशक्त राष्ट्र की नींव रखी। सरदार पटेल ने जिस भारत की कल्पना की थी और जिसे एकजुट किया, वही देश आज पूरी दुनिया के सामने गर्व के साथ खड़ा है। गृह मंत्री ने देश के युवाओं को नशे से बचाकर उनके बेहतर भविष्य के लिए काम करने की अपनी प्रतिबद्धता जताई।



1 नवंबर की दिल्ली रैली में शामिल नहीं होगी आम आदमी पार्टी -सांसद संजय सिंह ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की अपनी मांग दोहराई

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी ने 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली इंडिया गठबंधन की रैली को लेकर अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने घोषणा की है कि पार्टी इस रैली में शामिल नहीं होगी, क्योंकि वह पहले ही साफ कर चुकी है कि वह इस गठबंधन का हिस्सा नहीं है। इस बयान के साथ आप ने इंडिया गठबंधन की एकजुटता के दावों के बीच अपनी स्वतंत्र पहचान बनाए रखने का संकेत दिया है। हालांकि, संजय सिंह ने एसआईआर प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर के नाम पर देशभर में 13 करोड़ 37 लाख से ज्यादा मतदाताओं के नाम हटा दिए गए, जिसे उन्होंने वोट चोरी का एक



सुनियोजित प्रयास बताया। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के तत्काल इस्तीफे और एसआईआर प्रक्रिया को रद्द करने की अपनी मांग को दोहराया। संजय सिंह ने कहा कि यदि लॉजिकल डिस्क्रेप्सी यानी तार्किक विस्मृतियों के नाम पर मतदाता सूची से लोगों

के नाम हटाए गए हैं, तो पश्चिम बंगाल में हुआ हालिया चुनाव अवैध है और उसे रद्द किया जाना चाहिए। उन्होंने दिल्ली का उदाहरण देते हुए दावा किया कि अरविंद केजरीवाल के विधानसभा क्षेत्र में ही मतदाता सूची से 40 हजार नाम हटाए गए हैं। इस आधार पर उन्होंने दिल्ली विधानसभा चुनाव को भी रद्द करने की मांग की। संजय सिंह ने बिहार, हरियाणा, कर्नाटक और महाराष्ट्र समेत उन सभी राज्यों में नए सिरे से चुनाव कराए जाने की मांग की, जहां इस तरह की अनियमितताएं हुई हैं। उनकी यह मांग लोकसभा और विधानसभा, दोनों चुनावों पर लागू होती है। उनका कहना है कि जिन चुनावों में ऐसी गड़बड़ियां हुईं, उन्हें रद्द कर दोबारा कराया जाना चाहिए ताकि चुनावी प्रक्रिया की शुचितता बनी रहे और जनता का लोकतंत्र में विश्वास बना रहे।

जूनियर राष्ट्रीय कबड्डी के लिए दिल्ली की टीम तैयार, विक्की बसोया को सौंपी कप्तानी

नई दिल्ली (शिखर समाचार)। 52वीं जूनियर राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता के बालक वर्ग के लिए दिल्ली कबड्डी एसोसिएशन ने 14 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। टीम की कप्तान स्टार खिलाड़ी विक्की बसोया को सौंपी गई है। दिल्ली की टीम एक से चार नवंबर 2026 तक बिहार के पटना स्थित पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी। संघ के महासचिव रामबीर सिंह ने बताया कि इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर की शीर्ष जूनियर टीमें खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। दिल्ली की टीम में कप्तान विक्की बसोया के अलावा सनी



भाटी, बाबुल कुमार, सौरभ कुमार, मयंक यादव, निशांत, देव चौधरी, मोहित कुमार,

तरुण, पवन कुमार, कार्तिक, राहुल यादव, अर्पित मौर्य और अभिषेक को शामिल

किया गया है।

टीम के साथ मुख्य कोच के रूप में सुरेश कुमार और सहायक कोच के रूप में योगेश पटना जाएंगे। महासचिव रामबीर सिंह ने बताया कि खिलाड़ियों के चयन में उनकी फिटनेस और हाल के प्रदर्शन को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दिल्ली की टीम प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर प्रदेश का नाम रोशन करेगी।

प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए टीम की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। खिलाड़ियों से मैदान पर अनुशासन, सामूहिक प्रयास और खेल भावना के साथ प्रदर्शन करने की अपेक्षा जताई गई है।

कुंभ-2027 की तैयारियों ने पकड़ी रफ्तार, डीएम ने निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण



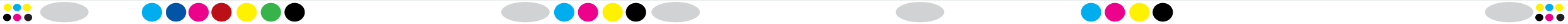
समन्वय स्थापित कर उसका समाधान कराएं, ताकि निर्धारित समय पर काम पूरा

हो सके। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में कुंभ मेला-2027 की तैयारियां शासन की प्राथमिकता में हैं। सभी विभाग आपसी समन्वय बनाकर पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण स्थलों पर पर्याप्त श्रमिकों और आवश्यक मशीनरी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। इसके बाद जिलाधिकारी ने उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग की ओर से शंकराचार्य चौक से डाम कोठी क्षेत्र तक

कराए जा रहे सड़क सुधार कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को काम में तेजी लाकर जल्द पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे और आम लोगों के साथ श्रद्धालुओं को आवागमन में परेशानी न हो। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग विकास त्यागी, सहायक अभियंता भारत भूषण, रड़की के तहसीलदार विकास अवस्थी, राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारी और ठेकेदार मौजूद रहे।

दिल्ली में जूता फैक्ट्री में भीषण आग, दम घुटने से 4 की मौत, 2 गंभीर

नई दिल्ली, एजेंसी। बाहरी दिल्ली के मंगोलपुरी इंडस्ट्रियल एरिया में शुक्रवार रात जूते बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। बेसमेंट से शुरू हुई इस आग की चपेट में आने और दम घुटने से कम से कम 4 लोगों की मौत हो गई जबकि 2 गंभीर रूप से घायल हैं। दमकल विभाग की करीब 20 गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर घंटों की मशकत के बाद आग पर काबू पाया और इसे ऊपरी मंजिलों में फैलने से रोका। दिल्ली अग्निशमन और पुलिस की टीमों ने फैक्ट्री के अंदर फंसे 6 लोगों को बेहोशी की हालत में निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने 4 को मृत घोषित कर दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हादसा मंगोलपुरी इंडस्ट्रियल एरिया के फेज-1 स्थित प्लॉट संख्या बी-293/294 में हुआ। यह जूता निर्माण और पंझरण की यूनिट थी। आग की शुरुआत बेसमेंट से हुई थी, जहां अत्यधिक ज्वलनशील सामग्री, रबर और केमिकल रखे होने के कारण घना धुआं तेजी से फैल गया। दमकल कर्मियों ने त्वरित कार्रवाई कर लपटों को बेसमेंट तक ही सीमित रखा, जिससे बड़ा हादसा टल गया।



संक्षिप्त

समाचार

जलभराव की शिकायतों के लिए नगर निगम का कंट्रोल रूम 24 घंटे सक्रिय

गोरखपुर , एजेंसी। गोरखपुर। चक्रवात अर्णब से होने वाली बारिश की संभावना के मद्देनजर नगर निगम का कंट्रोल रूम 24 घंटे सक्रिय रहेगा। जलभराव और जलनिकासी से जुड़ी शिकायतों के तत्काल निस्तारण के लिए कंट्रोल रूम में अधिकारियों और कर्मचारियों की शिफ्टवार ड्यूटी लगाई गई है। नागरिकों से मिलने वाली शिकायतों पर संबंधित टीमों के माध्यम से त्वरित कार्रवाई कराई जाएगी। नगर निगम की ओर से जलभराव या जलनिकासी में अवरोध की शिकायत दर्ज कराने के लिए चार संपर्क नंबर जारी किए गए हैं। नागरिक 0551-2342621, 8810709390, 9236478095 और टोल फ्री नंबर 1533 पर संपर्क कर सकते हैं। नगर आयुक्त अजय जैन ने नागरिकों से अपील की है कि बारिश के दौरान कहीं जलभराव होने या पानी की निकासी बाधित होने पर तत्काल कंट्रोल रूम को सूचना दें। इससे संबंधित टीम को मौके पर भेजकर आवश्यक कार्रवाई कराई जा सकेगी।

गोरखपुर वर्कशॉप में होगी वंदेभारत की मरम्मत

गोरखपुर , एजेंसी। अब वंदेभारत ट्रेन की मरम्मत स्थायी रूप से गोरखपुर यांत्रिक कारखाना के वर्कशॉप में होगी। रेलवे बोर्ड ने गोरखपुर से चलने वाली दोनों ट्रेनों की मरम्मत की मंजूरी दे दी है। अभी गोरखपुर न्यू कोविंग डिपो में वंदेभारत की धुलाई होती है और मरम्मत का काम चारबाग में होता है। गोरखपुर से चलने वाली वंदे भारत ट्रेनों की मरम्मत, रखरखाव व सफाई-धुलाई को लेकर शुरू से ही दिक्कत आ रही थी। इस ट्रेन की मरम्मत व रखरखाव के लिए अलग से डिपो की आवश्यकता है। अब यांत्रिक कारखाना में वंदे भारत की मरम्मत को स्थायी मंजूरी मिल जाने से रेल प्रशासन ने राहत की सांस ली है। कारखाने में एलएचबी, पावरकार और मेमू ट्रेनों के बाद अब वंदे भारत रैक की भी मरम्मत होगी। भविष्य में यहां अन्य जोन के वंदेभारत के रैक की भी मरम्मत की जाएगी। दो वंदे भारत चलती हैं गोरखपुर से गोरखपुर से प्रयागराज और पाटलिपुत्र के बीच दो वंदे भारत ट्रेनें चलती हैं। सात जुलाई, 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोरखपुर जंक्शन से पहली वंदे भारत को हरी झंडी दिखाई थी। गोरखपुर वर्कशॉप में वंदेभारत रैक की स्थाई रूप से मरम्मत होगी। इसको लेकर बोर्ड ने पत्र जारी कर दिया है। गोरखपुर वर्कशॉप में ही मरम्मत हो जाने से काफी सहूलियत होगी। सुमित कुमार, सीपीआरओ-एनईआर

46 करोड़ से बनेगा 10 किमी का रिंग बंधा, नदियों की कटान से अब निजात, चुनाव बहिष्कार की मिल चुकी चेतावनी



वाराणसी, एजेंसी। उत्तरी दीयरांचल के शिवाल, गोपालनगर व वशिष्ठ नगर, मानगढ़ को सरयू नदी की कटान से बचाने के लिए 46 करोड़ 8 लाख रुपये से 10 किमी का रिंग बंधा बनेगा। यह रिंग बंधा निष्प्रयोज्य पुरानी रेलवे लाइन से होकर देवपुर मठिया के पास टीएस बंधे से जुड़ेगा। बाढ़ विभाग के अनुसार बलिया डिविजन अंतर्गत चारों सबडिविजन में गंगा, सरयू की कटानरोधी कार्य के लिए कुल 300 करोड़ का डीपीआर तैयार हुआ है। बृहस्पतिवार को उक्त सभी डीपीआर मुख्य अभियंता की बैठक में पेश किए गए। अगर मुख्य अभियंता की बैठक में स्वीकृति मिली तो लखनऊ टीएसी के बैठक में स्वीकृति

के लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा। टीएसी की बैठक में स्वीकृति मिलने के बाद परियोजनाओं पर कार्य शुरू हो जाएगा।

बनाया गया मास्टर प्लान

सहायक अभियंता आकाश यादव ने बताया कि सुरेसनपुर रेलवे स्टेशन के पास निष्प्रयोज्य पुराने रेलवे स्टेशन को जोड़ते हुए शिवाल, गोपालनगर व वशिष्ठ नगर गांव को सुरक्षित करते हुए 10 किमी का रिंग बंधा देवपुर मठिया के पास टीएस बंधे से जुड़ेगा। इसके लिए 46 करोड़ 8 लाख रुपये का डीपीआर बना है। वहीं, बकुल्ला में एक से दो किमी तक बंधे की मरम्मत 9 करोड़ लाख,

सुरेसनपुर में बंधे की मरम्मत 9 करोड़, नारायणगढ़ में 01.2 किमी तक मरम्मत 9 करोड़ , दतहा में 68.400 किमी से 68.600 किमी तक 3 करोड़ लाख से मरम्मत , भोज छपरा में 7 करोड़ लाख से कटान रोधी कार्य,

महाराजपुर में स्पर निर्माण 7 करोड़, महाराजपुर कटान रोधी कार्य 9 करोड़, किमी 62 पर स्पर निर्माण 11 करोड़ से होगा। मुख्य अभियंता की बैठक में इसका डीपीआर पेश किया गया।

कटान पीड़ित विस चुनाव बहिष्कार की दे चुके हैं चेतावनी: शिवाल गांव के 35 लोगों का आशियाना तीन साल में सरयू नदी में समा गया। वहीं गोपालनगर टाड़ी में पांच वर्षों के अंदर 465 लोगों का आशियाना नदी में गिर गया। मौजूदा समय में गोपालनगर टाड़ी व शिवाल के दर्जनों लोगों का आशियाना कटान के मुहाने पर है। वहीं, वशिष्ठ नगर व गोपालनगर सिवान पर जबरदस्त कटान हो रही है। इस कटान स्थल से दो गांवों के सैकड़ों लोगों के आशियाना मुहाने पर है। बलिया डिविजन अंतर्गत चारों सब डिविजन में कटान रोधी कार्य, रिंग बंधा निर्माण के लिए कुल 300 करोड़ का डीपीआर बनाकर मुख्य अभियंता के यहां स्वीकृति के लिए पेश किया गया है। स्वीकृति मिलने पर टीएसी की बैठक में पेश किया जाएगा। अगर परियोजनाओं को टीएसी की बैठक में स्वीकृति मिली तो उक्त सभी कार्य कराए जाएंगे।

इ. संजय कुमार मिश्र, अधिशासी अभियंता बाढ़खंड। वशिष्ठ नगर व गोपालनगर की बस्तियां नदी से महज 10 मीटर दूर: बैरिया तहसील क्षेत्र में सरयू नदी के कारण कटान हो रही है। वशिष्ठ नगर और गोपालनगर के ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। कटान

की स्थिति का जायजा लेने न्यायिक उपजिलाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार यादव और नायब तहसीलदार उदयराज रत्ना मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों के अनुसार महज पांच-पांच मिनट के अंतराल पर भूमि का बड़ा हिस्सा नदी में गिर रहा था। अधिकारियों ने कटान स्थल का निरीक्षण किया तो पता चला कि वशिष्ठ नगर और गोपालनगर की बस्तियां नदी के कटान वाले हिस्से से महज 10 से 15 मीटर की दूरी पर हैं। ऐसे में नदी का कटान जारी रहने से ग्रामीणों के आशियानों पर खतरा मंडराने लगा है। ग्रामीणों ने अधिकारियों से अपने घरों और बस्तियों को बचाने के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाने की गुहार लगाई। न्यायिक उपजिलाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार यादव ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि कटान की स्थिति की रिपोर्ट तैयार कर बाढ़ विभाग और उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी। ग्रामीणों सुनील यादव, पूर्व प्रधान प्रदीप यादव और प्रधान प्रतिनिधि अर्जुन यादव सहित अन्य लोगों ने बताया कि पिछले कई दिनों से लगातार कटान हो रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन और बाढ़ विभाग से मांग की है कि कटान रोकने के लिए तत्काल प्रभावी उपाय किए जाएं।

कच्चे वाली जमीन छोड़ दूसरी जगह स्वास्थ्य केंद्र बनाने की तैयारी

बरेली , एजेंसी। सरकारी जमीन पर अतिक्रमण और स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण स्थल को लेकर बहादुरपुर गांव में विवाद गहरा गया है। परिवार नियोजन केंद्र के नाम दर्ज जमीन पर कब्जे हो गए। इसलिए अब नए स्वास्थ्य केंद्र को गांव से करीब 600 मीटर दूर बनाने की तैयारी पर ग्रामीणों ने सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों की मांग है कि स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण गांव में परिवार नियोजन केंद्र के लिए दर्ज जमीन पर ही कराया जाए। इसके लिए ग्रामीणों ने जांच की मांग उठाई है। बहादुरपुर गांव में उक्त जमीन पर करीब एक बीघा जमीन खतौनी में परिवार नियोजन केंद्र के नाम दर्ज है। ग्रामीणों के मुताबिक, करीब 40 वर्ष पहले इस जमीन पर परिवार नियोजन केंद्र का भवन बनाया गया था। भवन जर्जर होने के बाद वर्ष 2006 में तत्कालीन डीएम के आदेश पर परिवार नियोजन केंद्र और स्कूल की इमारत को गिरवा दिया गया था।

इसके बाद मलबा हटाय गया तो धीरे-धीरे कुछ लोगों ने परिवार नियोजन केंद्र की जमीन पर पक्के निर्माण कर लिए। ग्रामीणों के अनुसार, स्कूल के नजदीक खतौनी में बाग दर्ज है, लेकिन मौके पर बाग मौजूद नहीं है। ग्राम प्रधान पणू राजपूत का कहना है कि उन्होंने वर्ष 2024 में जमीन पर स्वास्थ्य केंद्र बनवाने का प्रस्ताव दिया था। यह जमीन परिवार नियोजन केंद्र के नाम दर्ज है और गांव के भीतर स्थित है। इसके बावजूद मौजूदा लेखपाल उक्त जमीन के बजाय दूसरे जमीन पर स्वास्थ्य केंद्र बनवाने का प्रयास कर रहे हैं, जो कि राजस्व अभिलेखों में नवीन परती के रूप में दर्ज है।

स्मॉग की छाई चादर, उखड़ रही सांसें, आंखों में जलन-खुजली

आगरा, एजेंसी। धूल-धुआं और हवा में बढ़ते प्रदूषण से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। आंखों में एलर्जी होने से जलन और खुजली हो रही है। स्मॉग की चादर छाप रहने से सबसे ज्यादा दिक्कत अस्थमा-सांस रोगियों के लिए है। इनकी सांस उखड़ रही है। एसएन मेडिकल कॉलेज की ओपीडी में ऐसे मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बृहस्पतिवार को शहर में 39 चौराहों में से 31 की हवा बेहद खराब और खराब श्रेणी में रही है। सबसे ज्यादा प्रदूषित वाले तीन क्षेत्रों में शहीद नगर, बारहखंबा और राजामंडी रहे, जहां सड़कों की खोदाई ने लोगों का सांस लेना भी मुश्किल कर दिया है।

वक्श एवं धन्य रोग विभाग के डॉ. गजेन्द्र विक्रम सिंह ने बताया कि हवा में धूल और कार्बन तत्व की संख्या बढ़ रही है। ये सांस नली में पहुंचकर संक्रमण कर रही है। इससे सांस लेने में कठिनाई हो रही है। फेफड़ों पर भी दबाव पड़ रहा है। तेज खांसी हो रही है। हालत खराब होने पर इनको भर्ती कर ऑक्सीजन दी जा रही है। पुराने मरीजों की डोज बढ़ाकर देनी पड़ रही है। नेत्र रोग विभाग के डॉ. निखिल गुप्ता ने बताया कि आंखों में धूल-धुआं पहुंचने से कंकराकटाह, जलन, खुजली, लाल होना और पानी आने की परेशानी ज्यादा मिल रही है। आंखों को रगड़ने से बच्चों की कॉन्जिंया पर धब्बा और जख्म भी मिल रहे हैं।

स्मॉग से हो रहा गले में संक्रमण: इंएनटी रोग विभाग के डॉ. अखिल प्रताप सिंह ने बताया कि मौसम में बदलाव और धूल-धुआं के कण से गले में संक्रमण हो रहा है। इससे खराश, दर्द, सूजन और भोजन-पानी निगलने में दर्द की परेशानी हो रही है। नाक की एलर्जी भी बढ़ गई है। नाक को रगड़ने बार-बार खींच आना, नाक बंद होना या फिर पानी आने की दिक्कत हो रही है। जुकाम-बुखार भी हो रहा है। ऐसे मरीजों को दवा देने के साथ बचाव के बारे में भी जागरूक कर रहे हैं।



अचानक 8 डिग्री पारा गिरा, यूपी में सबसे ठंडी काशी

निकलने लगे रजाई-गद्दे और गर्म कपड़े



वाराणसी, एजेंसी। अर्णव तूफान के असर से काशी में भोर के साढ़े चार बजे से पूरी रात बारिश नहीं रुकी। बेमौसम

बारिश ने अक्तूबर में ही जाड़े का अहसास करा दिया। एक ही दिन में पारा साढ़े आठ डिग्री लुढ़क गया। अधिकतम तापमान

सामान्य से 7.2 डिग्री नीचे आकर सिर्फ 24.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बुधवार को पारा 32.8 डिग्री था। तापमान के इस गिरावट के चलते बृहस्पतिवार को वाराणसी प्रदेश का सबसे ठंडा जिला बन गया। दिन और रात के बीच तापमान में सिर्फ तीन डिग्री का ही फर्क रहा। पूरे दिन काशी में धीमे-धीमे सिर्फ दो मिमी हो बारिश हुई, लेकिन पहली बार अक्तूबर की दोपहर में कंकपंकी छूट गई।

पूरे दिन बादल भी छये रहे। हवा 25 से 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बही। इस बारिश ने लोगों की ठंड बढ़ाने के साथ ही सड़कों पर कोचड़ भी खूब कराई। घाटों पर फिसलने से कई लोगों को आने-जाने में दिक्कत हुई। अक्तूबर का न्यूनतम तापमान 20.7 डिग्री और अधिकतम औसत तापमान 33 डिग्री सेल्सियस रहा है। औसत बारिश यानी कि अक्तूबर में 30.3 मिमी तक बारिश हो जाती है।

काशी के आसपास बारिश का ऑरेंज अलर्ट

वरिष्ठ मौसम विज्ञानी डॉ. अतुल कुमार सिंह ने बताया कि अर्णब का असर शुक्रवार से कम हो जाएगा। अब मौसम वापस अपने पूर्व अवस्था में लौट आएगा। हालांकि इस बीच सिहरन बढ़ने से ठंड लगने लगी है। काशी के अलावा आसपास के जिलों में शुक्रवार को भी आंधी, बिजली चमकने और बादल गरजने के साथ बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जिसका थोड़ा बहुत असर काशी में भी दिख सकता है।

लेट गई धान की खेड़ी फसलें

रोहनिया, राजातालाब, चोलापुर, बाबतपुर, बड़ागांव, चिरईगांव, मिर्जामुराद, सेवापुरी सहित कई इलाकों के खेतों में पक चुकी धान की फसलें बारिश से गीली हो गईं। वहीं तेज हवा से लोट भी गईं। इससे काशी के किसानों की चिंता काफी बढ़ गई है। रोहनिया में दरेखू के किसानों ने कहा कि इनकी पकी फसल बर्बाद हो जाएगी। सिंधौरा के किसानों ने कहा कि अभी 50 फीसदी ही कटाई हो पाई है और मड़ाई का काम बहुत कम हुआ है।

हरकी पैड़ी पर स्वच्छता के लिए उमड़ा जनसैलाब, मेलाधिकारी सोनिका ने भी किया श्रमदान

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कुंभ मेला-2027 की तैयारियों के बीच धर्मनगरी हरिद्वार को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए धार्मिक संस्थाओं और आमजन की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। इसी क्रम में शनिवार को मिश्री मठ की ओर से गंगा सेवा कार्यक्रम के तहत हरकी पैड़ी क्षेत्र में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान में हजारों लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर गंगा घाटों की स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। इस दौरान मेला प्रशासन के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी आमजन के साथ मिलकर श्रमदान किया। मेलाधिकारी सोनिका के नेतृत्व में मेला प्रशासन की टीम अभियान में शामिल हुई। मेलाधिकारी स्वयं सफाई कार्य में जुटी और मिश्री मठ के अनुयायियों के साथ मिलकर घाटों की सफाई की। अधिकारियों और कर्मचारियों ने एकत्रित कूड़े-कचरे को निर्धारित स्थानों तक पहुंचाने तथा उसके सुक्षिप्त निस्तारण में सहयोग किया। प्रशासनिक अधिकारियों को



आम लोगों के साथ मिलकर सफाई करते देख अभियान में जनभागीदारी का उत्साह दिखाई दिया। कार्यक्रम में नगर आयुक्त नंदन कुमार, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र, अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती और उप मेलाधिकारी मनजीत सिंह सहित मेला प्रशासन के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे। इस अवसर पर मेलाधिकारी सोनिका ने नया उदासीन अखाड़ा के अध्यक्ष

महंत धूनी दास महाराज तथा मिश्री मठ के मठाधिपति महामंडलेश्वर करौली शंकर महाराज से मुलाकात की। उन्होंने गंगा सेवा और स्वच्छता अभियान के आयोजन तथा इसमें हजारों लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए संतों और मिश्री मठ के अनुयायियों का आभार व्यक्त किया।

मेलाधिकारी सोनिका ने कहा कि हरिद्वार करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है और मां गंगा के घाटों की

स्वच्छता एवं पवित्रता बनाए रखना सभी का साझा दायित्व है। कुंभ मेला-2027 में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे। ऐसे में स्वच्छता को केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी न मानकर जनभागीदारी का विषय बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि संत समाज, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों के सहयोग से हरिद्वार को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के प्रयासों को नई गति मिलेगी।

हरिद्वार (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शनिवार को पुलिस लाइन रोशनाबाद में भव्य परेड का आयोजन किया गया। पुलिस महानिरीक्षक पुलिस दूरसंचार एवं अग्निशमन सेवा उत्तराखंड की उपस्थिति में आयोजित परेड में पुलिस बल ने अनुशासन, एकजुटता और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया। इस दौरान पुलिस महानिरीक्षक ने परेड की सलामी ली तथा उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 16 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुलिस महानिदेशक के प्रशस्ति डिस्क और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

परेड के बाद पुलिस महानिरीक्षक ने पुलिस लाइन परिसर का पैदल निरीक्षण किया। इसके उपरांत पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ सम्मेलन आयोजित कर उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश और मार्गदर्शन दिया। उन्होंने पुलिसकर्मियों को पूरी निष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ



अपने दायित्वों का निर्वहन करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह, पुलिस अधीक्षक अपराध एवं यातायात, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, पुलिस अधीक्षक नगर, पुलिस अधीक्षक संचार सहित जनपद के सभी राजपत्रित अधिकारी उपस्थित रहे। सम्मान समारोह के दौरान 16

पुलिसकर्मियों को उनकी सेवाओं के लिए प्रशस्ति डिस्क और प्रशस्ति पत्र से अलंकृत किया गया। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने का संकल्प दोहराया गया। अधिकारियों ने कहा कि देश की एकता और सुरक्षा के लिए प्रत्येक पुलिसकर्मियों की

जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही जनपद के सभी थाना कार्यालयों में भी राष्ट्रीय एकता दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा बनाए रखने तथा अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करने की शपथ ली।

उत्तरक राष्ट्रपति को सर्वोपरि रखेंगे। विरिष्ठ लेखा परीक्षक अजमेन और उपसभापति परीक्षक गर्ग ने भी दोनों देशों के लोगों के विचारों को याद करते हुए कहा कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता के उनके सिद्धांत सदैव प्रासंगिक रहेंगे। साहित्यकार डॉ. वीरेन्द्र कजुल ने कहा कि सरदार पटेल के अजल नेतृत्व, दृढ़ इच्छाशक्ति और दूरदर्शी निगायों ने देश के निर्माण में अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता की शपथ तभी सार्थक होगी, जब

संपादकीय

वोट की ताकत पर उठते सवाल, लोकतंत्र की विश्वसनीयता की अग्निपरीक्षा

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी जनता है और जनता की इस ताकत का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम उसका मताधिकार है। एक आम नागरिक के हाथ में मतदान की जो शक्ति होती है, वह किसी बड़े पद, धन या राजनीतिक प्रभाव से कम नहीं होती। इसी अधिकार के माध्यम से वह सरकार चुनता है, सत्ता बदलता है और देश की दिशा तय करता है। लेकिन जब इसी मताधिकार की सुरक्षा करने वाली संवैधानिक संस्था की निष्पक्षता पर सवाल उठने लगें, तब यह केवल राजनीतिक विवाद नहीं रह जाता, बल्कि लोकतंत्र की बुनियाद से जुड़ा गंभीर विषय बन जाता है। 31 अक्टूबर 2026 को देश की राजनीति में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की विपक्ष की मांग और मॉक संसद में आयोजित प्रतीकात्मक जन महाभियोग ने इसी सवाल को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला खड़ा किया है।

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इंडिया गलबधन के नेताओं की मौजूदगी में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रस्ताव पेश करते हुए आरोप लगाया कि देश में मतदाताओं के अधिकारों के साथ खिलवाड़ हो रहा है और चुनाव आयोग अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी निष्पक्षता से निभाने में विफल रहा है। खरगे ने कहा कि नागरिकों का वोट देने का अधिकार गंभीर खतरे में है और लोकतंत्र को बचाने के लिए विपक्ष अपनी पूरी ताकत लगाएगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष मीरा कुमार ने की। विपक्ष ने छह प्रमुख आरोपों के आधार पर मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने, एसआईआर प्रक्रिया रोकने और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित वर्ष 2023 के कानून में बदलाव की मांग उठाई। हालांकि यह स्पष्ट रहना चाहिए कि विपक्ष का यह जन महाभियोग प्रतीकात्मक राजनीतिक कार्यक्रम था, संसद में संविधान के तहत चलने वाली कोई औपचारिक महाभियोग प्रक्रिया नहीं।

विपक्ष के आरोपों में सबसे गंभीर मुद्दा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर का है। खरगे ने दावा किया कि इस प्रक्रिया के माध्यम से लगभग 13.2 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए गए और यह कारवाई पारदर्शिता तथा प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप नहीं थी। विपक्ष का कहना है कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए जिसमें किसी पात्र नागरिक को अपनी नागरिक पहचान और मतदान के अधिकार को साबित करने के लिए अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। पहली बार मतदान करने वाले युवाओं के पंजीकरण से जुड़े प्रपत्रों में बदलाव, चुनावी आंकड़ों के केंद्रीकरण और चुनाव आयुक्तों के बीच निर्णय प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। विपक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने अन्य चुनाव आयुक्तों की आपत्तियों की अनदेखी की। इन सभी आरोपों की स्वतंत्र और तथ्यात्मक जांच जरूरी है, क्योंकि इतने गंभीर विषयों को केवल राजनीतिक बयानबाजी के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी ने विपक्ष की इस पूरी कवायद को राजनीतिक नाटक करार दिया है। भाजपा नेताओं का कहना है कि चुनावी पराजय की आशंका या परिणामों से असहमति के कारण संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाना उचित नहीं है। भाजपा सांसद संजित पात्रा ने जवाहरलाल नेहरू और सरदार वल्लभभाई पटेल के प्रधानमंत्री पद से जुड़े ऐतिहासिक प्रसंग को उठाकर कांग्रेस पर ही लोकतांत्रिक परंपराओं को लेकर सवाल खड़े किए।



हेमन्त क्षीरसागर

एक नवंबर मध्यप्रदेश के इतिहास की महत्वपूर्ण तिथि है। वर्ष 1956 को इसी तिथि में राज्यों के पुनर्गठन के साथ मध्यप्रदेश अस्तित्व में आया। 1 नवंबर 2000 को छत्तीसगढ़ के पृथक होने के बाद इसका वर्तमान स्वरूप बना। स्थापना दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि प्रदेश की विकास यात्रा, उपलब्धियों, स्मरण और शेष चुनौतियों के आकलन का समय भी है।

भारत के मध्यभाग में स्थित मध्यप्रदेश देश क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का दूसरा सबसे बड़ा राज्य है। इसकी सीमाएँ उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात और राजस्थान से मिलती हैं। केंद्रीय भौगोलिक स्थिति इसे सड़क, रेल, व्यापार और अंतरराज्यीय संपर्क की दृष्टि से महत्वपूर्ण बनाती है। नर्मदा घाटी, विंध्य और सतपुड़ा पर्वत श्रेणियाँ तथा चंबल, मालवा, बुंदेलखंड, बघेलखंड और महाकौशल जैसे भौगोलिक-सांस्कृतिक क्षेत्र प्रदेश की विविधता को दर्शाते हैं। देश के हृदय में मध्यप्रदेश अपनी ऐतिहासिक विरासत, सांस्कृतिक विविधता, वन संपदा और कृषि क्षमता के लिए विशिष्ट पहचान रखता है। सांची, खजुराहो और



सौरभ वर्णाय

मास्तीय कृषि लंबे समय से बढ़ती लागत और घटती आमदनी की चुनौती व पुरानी रूढ़िवादी तकनीक से जूझ रही है। डीजल, बिजली, बीज, कीटनाशक और उर्वरकों की कीमतों में वृद्धि ने किसानों के सामने आर्थिक संकट को और गहरा किया है। खेती की लागत में उर्वरकों की हिस्सेदारी भी काफी महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से यूरिया की उपलब्धता और उसकी कीमत किसानों के लिए हमेशा एक बड़ा मुद्दा रही है। ऐसे में सरकार द्वारा ग्रीन अमोनिया के इस्तेमाल की संभावनाएँ तलाशना एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा सकती है। यदि यह प्रयोग सफल होता है तो आने वाले समय में किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा बदलाव संभव है। हालांकि, इस पहल की वास्तविक सफलता केवल तकनीकी प्रयोग तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसका लाभ खेतों में काम करने वाले किसानों तक पहुंचना भी जरूरी है।

किसानों के लिए खुश खबरी आई है कि सरकार छह राज्यों में लगभग 10 हजार एकड़ भूमि पर ग्रीन अमोनिया के उपयोग का परीक्षण कर रही है। इसका उद्देश्य यह समझना है कि पारंपरिक नाइट्रोजन आधारित



भीमबेटका जैसे विश्वविख्यात धरोहर स्थल, उज्जैन की धार्मिक परंपरा। नर्मदा, क्षिप्रा, चंबल तारी, सोन, वैनगंगा सहित प्रमुख नदियाँ इसकी पहचान को समृद्ध बनाती हैं। गोंड, बैगा, भील और अन्य जनजातीय समुदायों की संस्कृति भी प्रदेश की अमूल्य विरासत है। इस धरोहर का संरक्षण और स्थानीय समुदायों की भागीदारी के साथ पर्यटन का विकास हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। मध्यप्रदेश वन्यजीव संरक्षण और जैव विविधता के लिए देश में विशिष्ट स्थान रखता है। कान्हा, बांधवगढ़, पेंच,

पन्ना, सतपुड़ा, माधव, वन विहार, संजय, कूनों और अन्य राष्ट्रीय उद्यान प्रदेश की प्राकृतिक संपदा के महत्वपूर्ण केंद्र हैं। चीता व जंगली भैंसा पुनर्स्थापना, बाघ संरक्षण, वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास। पारिस्थितिक संतुलन की दृष्टि से इनका विशेष महत्व है। ये उद्यान प्रकृति पर्यटन और स्थानीय रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराते हैं। कृषि प्रदेश की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है। धान, गेहूँ, सोयाबीन, दलहन और तिलहन के उत्पादन के साथ किसानों को उचित मूल्य। भंडारण, प्रसंस्करण और

किसानों को ग्रीन अमोनिया से सस्ती खाद की उम्मीद

उर्वरकों के विकल्प के रूप में इसका इस्तेमाल कितना प्रभावी और किफायती हो सकता है। ग्रीन अमोनिया का उत्पादन नवीकरणीय ऊर्जा से तैयार हाइड्रोजन के माध्यम से किया जाता है। इसके विपरीत परंपरागत अमोनिया उत्पादन में मुख्य रूप से प्राकृतिक गैस से प्राप्त हाइड्रोजन का उपयोग होता है। इस प्रक्रिया में ऊर्जा की अधिक खपत के साथ कार्बन उत्सर्जन भी होता है। इसलिए ग्रीन अमोनिया को न केवल कृषि की लागत कम करने, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक संभावनाशील विकल्प माना जा रहा है। नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सचिव संतोष सारंगी के अनुसार, अमोनिया को सीधे मिट्टी में डालने से उर्वरक की लागत मौजूदा स्तर से लगभग एक-तिहाई तक घट सकती है। यदि यह अनुमान व्यावहारिक रूप से सही साबित होता है तो खाद उत्पादन और कृषि अर्थव्यवस्था के लिए यह महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। लेकिन यहां एक बुनियादी सवाल भी है कि उत्पादन लागत में संभावित कमी का लाभ किसानों को किस रूप में मिलेगा? क्या इससे यूरिया की खुदरा कीमत घटेगी, या सरकार की सब्सिडी का बोझ कम होगा? इन सवालों का जवाब परीक्षण के परिणाम और सरकार की नीतिगत व्यवस्था से ही मिलेगा।

दरअसल, भारत में यूरिया केवल एक औद्योगिक उत्पाद नहीं, बल्कि कृषि उत्पादन व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। देश में बड़ी संख्या में किसान नाइट्रोजन की पूर्ति के लिए यूरिया पर निर्भर हैं। सरकार किसानों को सस्ती दरों पर यूरिया उपलब्ध कराने के लिए भारी सब्सिडी देती है। इसके बावजूद अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस और कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर उर्वरक क्षेत्र पर पड़ता है। भारत को उर्वरकों के उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चे माल और गैस की उपलब्धता के

मामले में भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में स्वच्छ ऊर्जा आधारित अमोनिया का विकल्प देश की आयात निर्भरता कम करने में भी सहायक हो सकता है। हालांकि, ग्रीन अमोनिया को यूरिया का सीधा और तत्काल विकल्प मान लेना जल्दबाजी होगी। अमोनिया एक प्रभावी नाइट्रोजन स्रोत है, लेकिन इसका सुरक्षित भंडारण, परिवहन और खेतों में उपयोग विशेष तकनीकी सावधानी की मांग करता है। यह एक विषाक्त रसायन है और इसके रिसाव से मानव स्वास्थ्य तथा पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए किसानों को इसके इस्तेमाल की उचित जानकारी, सुरक्षा उपकरण और आधुनिक कृषि तकनीक उपलब्ध कराना आवश्यक होगा। इसके अतिरिक्त मिट्टी की प्रकृति, फसल की जरूरत, मौसम और सिंचाई की परिस्थितियों के अनुसार इसके प्रभाव का वैज्ञानिक मूल्यांकन भी जरूरी है। सबसे महत्वपूर्ण चुनौती ग्रीन अमोनिया की उत्पादन लागत है। नवीकरणीय ऊर्जा से हाइड्रोजन तैयार करने और उसके माध्यम से अमोनिया बनाने के लिए बड़े निवेश, आधुनिक तकनीक और पर्याप्त ऊर्जा की जरूरत होती है। जब तक इसका उत्पादन बड़े पैमाने पर प्रतिस्पर्धी कीमतों पर नहीं होगा, तब तक किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने का लक्ष्य पूरी तरह हासिल करना आसान नहीं होगा। सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इस तकनीक के विकास का आर्थिक बोझ अंततः किसानों पर न पड़े। भारत में कृषि सुधारों की चर्चा अक्सर नई तकनीक और आधुनिक उत्पादन प्रणालियों तक सीमित रह जाती है, जबकि किसानों को सबसे बड़ी चिंता उसकी लागत और उपज का उचित मूल्य है। ग्रीन अमोनिया की पहल को भी इसी कसौटी पर परखा जाना चाहिए। यदि इससे उर्वरकों की कीमत कम होती है, मिट्टी को सेहत बेहतर

बाजार की बेहतर सुविधाएँ देना आवश्यक है। उद्योग, पर्यटन, लघु उद्यम और सेवा क्षेत्र में निवेश बढ़ाकर रोजगार के स्थायी अवसर तैयार किए जा सकते हैं। इसके लिए युवाओं को रोजगारपरक कौशल और उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराने होंगे। विकास की दूसरी बड़ी कसौटी शिक्षा, स्वास्थ्य और क्षेत्रीय संतुलन है। महानगरों के साथ ग्रामीण एवं जनजातीय अंचलों में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ उपचार, पेयजल, सड़क और संचार सुविधाएँ सुनिश्चित होनी चाहिए। बालाघाट जैसे जिलों में कृषि, वनोपज, खनिज और पर्यटन की संभावनाओं का उपयोग स्थानीय आजीविका तथा पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखकर किया जा सकता है।

योजनाओं की सफलता घोषणाओं या बजट तक सीमित नहीं, बल्कि उनके परिणामों से तय होती है। पारदर्शी प्रशासन, समयबद्ध सेवाएँ, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण और नागरिकों की भागीदारी विकास को प्रभावी बनाते हैं। जल संरक्षण, वनों की रक्षा और प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग भी आवश्यक है। ताकि आर्थिक प्रगति पर्यावरण की कीमत पर न हो। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस हमें गौरव के साथ आत्ममंथन का संदेश देता है। प्रदेश की वास्तविक समृद्धि तभी सुनिश्चित होगी?। जब किसान को उपज का उचित मूल्य, युवा को रोजगार, महिलाओं को समान अवसर। प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण बुनियादी सुविधाएँ मिलें। मध्यप्रदेश की प्रगति का सही पैमाना केवल आर्थिक वृद्धि नहीं, बल्कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना है। यही स्थापना दिवस का सार्थक संकल्प और समृद्ध भविष्य की आधारशिला है। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

~  मौलिक चिंतन  ~
भाग्य कोई जादू तो नहीं, जो अचानक से बदल जाए, भाग्य तो कर्मों का परावर्तन है।
~~~~~



©  
विनय  
संकोची

## जियो की छलांग और विकसित भारत की नई आर्थिक गाथा



ललित गर्ग

रिलायंस के सामने भी भविष्य की कसौटियाँ कम नहीं हैं। बड़े बाजार मूल्यांकन को निरंतर नवाचार, टिकाऊ मुनाफे, रोजगार सृजन और जनविश्वास में बदलना होगा। निवेशकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के साथ पर्यावरणीय उत्तरदायित्व, पारदर्शिता और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को महत्व देना होगा।

किासी राष्ट्र की प्रगति केवल ऊँची इमारतों, चमकमाती सड़कों और बढ़ते सकल घरेलू उत्पाद के आँकड़ों से नहीं आंकी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि उसकी उद्यमशीलता कितने लोगों के जीवन को बदलती है, तकनीक किन्ती दूर तक पहुँचती है और आर्थिक शक्ति किस सीमा तक जनसामान्य की आकांक्षाओं को पंख देती है। भारत की विकास यात्रा में रिलायंस समूह और जियो की कहानी इसी व्यापक परिवर्तन की ओर ध्यान आकर्षित करती है। भारत के औद्योगिक इतिहास में टाटा समूह ने विश्वास, संस्थागत मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और दीर्घकालीन दृष्टि की मजबूत विरासत निर्मित की है। दूसरी ओर, रिलायंस समूह ने बड़े पैमाने पर निवेश, बाजार की नब्ज पहचानने, तकनीक को जनसुलभ बनाने और नए क्षेत्रों में निर्णायक प्रवेश करने की क्षमता से अपनी अलग पहचान बनाई है। दोनों समूह भारतीय अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। ऐसे में रिलायंस का टाटा समूह से आगे निकलना किसी एक की पराजय और दूसरे की विजय भर नहीं है, इसे भारतीय उद्योग जगत में प्रतिस्पर्धा के नए अध्याय के रूप में देखना अधिक उचित होगा। जियो की यात्रा एक उल्लेखनीय उदाहरण है। भारतीय दूरसंचार क्षेत्र में प्रवेश के बाद उसने इंटरनेट सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने, डेटा की कीमतों में व्यापक बदलाव लाने और डिजिटल गतिविधियों को आम नागरिक तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जियो की असली उपलब्धि केवल बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाना नहीं, बल्कि डिजिटल अर्थव्यवस्था में भागीदारी का दायरा विस्तृत करना है।

रिलायंस की सफलता को मुकेश अंबानी के नेतृत्व में विकसित दीर्घकालीन कारोबारी दृष्टि, बड़े निवेश और बदलते समय के अनुरूप व्यवसाय का विस्तार करने की रणनीति के संदर्भ में समझना चाहिए। धीरूभाई अंबानी ने जिस उद्यमशीलता को व्यापक जनभागीदारी और पूँजी बाजार से जोड़ने की नींव रखी, उसे आगे बढ़ाते हुए समूह ने पेट्रोकेमिकल, ऊर्जा, खुदरा व्यापार और दूरसंचार जैसे विविध क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति मजबूत की। जियो ने इस विरासत को डिजिटल युग की आवश्यकताओं से जोड़ा। इस यात्रा का संदेश स्पष्ट है-समय के साथ जो नहीं बदलता, समय उसे पीछे छोड़ देता है, जो समय की आहट पहचान लेता है, वही भविष्य की दिशा तय करने लगता है। 28 अक्टूबर 2026 को जियो प्लेटफॉर्म की शेरय बाजार में ऐतिहासिक सूचीबद्धता ने इस यात्रा को नया आयाम दिया। लगभग 30,213 करोड़ रुपये के सार्वजनिक निगम के बाद कंपनी का बाजार पूँजीकरण 12.5 लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुँच गया और कारोबार के पहले दिन यह देश की दूसरी सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध कंपनी बन गई। रिलायंस समूह की



सूचीबद्ध कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्य भी टाटा समूह से आगे निकल गया। ये आँकड़े भारतीय पूँजी बाजार के बदलते स्वरूप और डिजिटल अर्थव्यवस्था में निवेशकों के विश्वास को दर्शाते हैं। लेकिन यह समझना भी जरूरी है कि बाजार पूँजीकरण कंपनियों के मूल्यांकन का पैमाना है, आम नागरिक की समृद्धि का नहीं। शेरय बाजार में ऊँचाई तभी सार्थक है, जब उसका लाभ अर्थव्यवस्था की जड़ों तक पहुँचे। इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रदत्त अनंत अंबानी का भावपूर्ण वक्तव्य चर्चाओं में है, उन्होंने इस व्यावसायिक उपलब्धि को पारिवारिक संस्कारों और आध्यात्मिक संवेदना से जोड़कर अर्थ के साथ अध्यात्म के महत्व को उजागर किया है। उन्होंने कारोबार की तुलना पूजा से और शेयरों को प्रसाद की तरह देश के साथ साझा करने की भावना से की। उनके शब्दों में कृतज्ञता, पारिवारिक विरासत और लाखों ग्राहकों के योगदान की स्वीकृति थी। मुकेश अंबानी का भावुक होना भी इस बात का प्रतीक था कि किसी बड़ी उपलब्धि के पीछे वर्षों का परिश्रम, संघर्ष, विश्वास और पीढ़ियों के सपने जुड़े होते हैं। यहाँ एक विचार विशेष रूप से उल्लेखनीय है-व्यापार केवल लाभ कमाने की व्यवस्था नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास अर्जित करने का माध्यम भी है। जब कोई कंपनी अपनी सफलता में कर्मचारियों, तकनीशियनों, साझेदारों और उपभोक्ताओं के योगदान को स्वीकार करती है, तब उद्यम का मानवीय पक्ष सामने आता है। फलदार वृक्ष जितना ऊँचा होता है, उसकी शाखाओं में उतनी ही विनम्रता होनी चाहिए। यही विनम्रता किसी कारोबारी साम्राज्य को स्थायी प्रतिष्ठा प्रदान करती है। अनंत अंबानी की पशुसेवा और वन्यजीव संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता भी इसी व्यापक सामाजिक उत्तरदायित्व के संदर्भ में देखी जा सकती है। उद्योग की वास्तविक प्रतिष्ठा तब

बढ़ती है, जब आर्थिक प्रगति के साथ जीवों के प्रति करुणा और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता भी आगे बढ़े। दूरसंचार क्षेत्र की अग्रणी कम्पनी हिमाचल पशुचरित्रिक कम्प्यूटिकेशंस लिमिटेड (एचएफसीएल) के संस्थापक एवं उद्योगपति महेंद्र नाहिटा ने जियो के ऐतिहासिक लॉन्चिंग समारोह में सहभागिता करते हुए इसे भारतीय आर्थिक शक्ति, तकनीकी प्रगति और आध्यात्मिक संवेदना का अनूत संगम बताया। उनके अनुसार, जियो की यह उड़ान केवल एक कंपनी की व्यावसायिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल सामर्थ्य, उद्यमशीलता और वैश्विक नेतृत्व की आकांक्षा का प्रतीक है। उनके अनुसार अनंत अंबानी के आशीर्वाद, संस्कार और जनभागीदारी से जुड़े भावपूर्ण उद्धरण ने इस आयोजन को मानवीय संवेदनाओं की विशिष्ट ऊँचाई प्रदान की। निस्संदेह, जियो की यह उड़ान नए भारत के आत्मविश्वास, नवाचार और विकसित भारत के संकल्प को नई ऊर्जा देने वाला ऐतिहासिक अध्याय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया, डिजिटल भूगतान, आधारभूत डिजिटल सुविधाओं और उद्यमशीलता को प्रोत्साहन देने वाली पहलों ने देश के तकनीकी परिवर्तन के लिए अनुकूल वातावरण बनाया है। इस विकास में सरकार की नीतियों, निजी क्षेत्र के निवेश, वैज्ञानिक प्रतिभा और करोड़ों नागरिकों की भागीदारी का साझा योगदान है। जियो ने इस वातावरण का उपयोग करते हुए डिजिटल संपर्क का विस्तार किया। भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य भी इसी व्यापक विकास यात्रा का हिस्सा है। परंतु आर्थिक आकार के साथ प्रति व्यक्ति आय, गुणवत्तापूर्ण रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा में सुधार भी उतना ही आवश्यक है। आगे की चुनौती

और भी बड़ी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बादल आधारित संगणना, अंतरिक्ष से संपर्क और नई डिजिटल सेवाओं में निवेश भारत के लिए व्यापक अवसर पैदा कर सकता है। मगर तकनीक का लाभ तभी समावेशी होगा, जब ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत संपर्क, डिजिटल साक्षरता, साइबर सुरक्षा और व्यक्तिगत आँकड़ों की गोपनीयता सुनिश्चित की जाएगी। दूरसंचार कंपनियों को सेवा की गुणवत्ता, उचित कीमत और उपभोक्ता हितों के बीच संतुलन बनाना होगा। टाटा, एयरटेल और दूसरे भारतीय उद्यमों की प्रतिस्पर्धा भी इस क्षेत्र को अधिक सक्षम बना सकती है। एक हाथ से ताली नहीं बजती-विकसित भारत के निर्माण में सरकार, उद्योग, निवेशक, श्रमिक और उपभोक्ता सभी की भूमिका है। रिलायंस के सामने भी भविष्य की कसौटियाँ कम नहीं हैं। बड़े बाजार मूल्यांकन को निरंतर नवाचार, टिकाऊ मुनाफे, रोजगार सृजन और जनविश्वास में बदलना होगा। निवेशकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के साथ पर्यावरणीय उत्तरदायित्व, पारदर्शिता और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को महत्व देना होगा। आर्थिक विकास का उद्देश्य केवल कुछ कंपनियों को वैश्विक शक्ति बनाना नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों के जीवन में स्थिरता, सम्मान और अवसर लाना होना चाहिए। वस्तुतः जियो की उपलब्धि नए भारत की उस आकांक्षा का प्रतीक है, जो तकनीक में आत्मविश्वास, व्यापार में विस्तार और विश्व अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्धा चाहती है। किंतु मंजिल अभी दूर है। सच्ची सफलता वह नहीं, जहाँ कुछ लोग शिखर पर पहुँच जायें, सच्ची सफलता वह है, जहाँ शिखर तक पहुँचने के रास्ते सबके लिए खुलें। रिलायंस की यह आर्थिक छलांग तभी इतिहास में स्थायी स्थान बनाएगी, जब इसके साथ रोजगार बढ़ेगा, सभी की विषमता घटेगी और घमण्ड के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुँचेगी। यही विकसित भारत का सार है-समृद्ध उद्योग, सक्षम नागरिक और संवेदनशील समाज। अनंत अंबानी ने जियो के नाम में छिपे आशीर्वाद के भाव को जिस आत्मीयता से अभिव्यक्त किया, वह भारतीय संस्कृति, पारिवारिक संस्कारों और आध्यात्मिक चेतना का सुंदर संगम है। उन्होंने कहा कि +मैं कहती है-जियो मेरे लाल, दादी कहती हैं-जुग-जुग जियो और दोस्त कहते हैं-जियो मेरे यार।+ इस तरह 'जियो' केवल एक व्यावसायिक नाम नहीं, बल्कि शुभकामना, आशीर्वाद, स्नेह और मंगलकामना का जीवंत संदेश बन जाता है। जब उन्होंने कारोबार को पूजा और शेयरों को प्रसाद की संज्ञा दी, तब उन्होंने आर्थिक उपलब्धि को जनभागीदारी और कृतज्ञता से जोड़ने का अनूत दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। सचमुच, जब व्यापार में आशीर्वाद का भाव और सफलता में समाज की साझेदारी जुड़ जाए, तब उद्यम केवल समृद्धि का माध्यम नहीं, बल्कि जनविश्वास का उत्सव बन जाता है।

## तुम्हें कितने मार्क्स मिले...? पेपर का रिजल्ट आने पर अपने बच्चे से कभी न पूछें ये सवाल



यह बात सच्ची है कि जब आप अपने बच्चे से अक्सर ‘तुम्हें कितने मार्क्स मिले?’ ये सवाल पूछते हैं, तो यह कई तरह से उनकी सेल्फ-वर्थ, सिखने की प्रक्रिया और मनोधर्म पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। आज हम आपको बताते हैं कि ये सवाल बच्चे के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

### क्यों यह सवाल नुकसान पहुंचाता है

जब सबसे पहला सवाल ये होता है कि ‘कितने अंक आए?’ तो बच्चे को यह संदेश जाता है कि अंक = मूल्य = आपकी योग्यता। पर वास्तव में ‘अंक’ सिर्फ एक परीक्षा का परिणाम हैं, व्यक्ति की सम्पूर्ण क्षमता या गुण नहीं। उदाहरण के लिए, एक लेख कहता है कि यह हो सकता है कि बच्चों को यह महसूस हो जाए कि उनका पूरा मूल्य सिर्फ उनकी ग्रेड्स से तय होता है। जब यह सवाल बार-बार पूछा जाए, तो बच्चे में यह डर बन सकता है कि अगर अंक कम आए तो उन्हें मम्मा-पापा की नाराजगी या शर्मिंदगी झेलनी पड़ेगी। यह दबाव उनकी पढ़ाई, आत्मविश्वास और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है।

### सिखने की प्रक्रिया पर ध्यान कम देना

दिए गए मार्क्स के पीछे क्या हुआ— जैसे तैयारी कैसे हुई, कौन-सी चीज कठिन लगी, किस तरीके से समझा जा सकता था, इन पर कम ध्यान जाता है। परिणाम पर ज्यादा फोकस होने से बच्चों में ‘स्कोर करने की रणनीति’ बन सकती है बजाय ‘समझने की रणनीति’ के। यदि संवाद का मुख्य आधार सवाल ‘कितने अंक?’ हो जाए, तो बच्चे हो सकता है कि उस बातचीत को अपेक्षा-पूर्ति के रूप में देखें— न कि खुली बातचीत के रूप में। इससे पिता-माता-बच्चा के बीच भरोसा कम हो सकता है।

### बेहतर तरीका — क्या-क्या पूछा जा सकता है

- ‘तुम्हारी एक्साम के दौरान सबसे कठिन क्या लगा? उस पर काम कैसे कर सकते हैं?’
  - ‘क्या तुमको लगता है तुमने उस विषय में यह तरीके आजमाए? अगर नहीं, तो अगली बार कैसे करोगे?’
  - ‘क्या वो हिस्सा था जिसमें तुमने अच्छा किया? उस पर हम कैसे और सुधार कर सकते हैं?’
  - ‘पढ़ाई के अलावा तुम्हें क्या-क्या मजेदार लगा आज स्कूल में?’
- ऐसे सवाल बच्चों की सोचना, भावनाओं को समझने और संवाद बढ़ाने में मदद करते हैं।

## सिर्फ कुछ मिनटों में बनाएं ये पांच टेस्टी सैंडविच, बनाने का तरीका भी है बेहद आसान

शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा होगा, जिसे सैंडविच खाना पसंद न हो। तो अगर आपको सैंडविच खाना पसंद है, तो ये खबर आपके लिए खास होने वाली है। चाहे आप ऑफिस जा रहे हों, बच्चों के टिफिन की तैयारी कर रहे हों या घर पर कुछ हल्का और टेस्टी खाना चाहते हों—सैंडविच हर मौके के लिए परफेक्ट ऑप्शन माना जाता है।

ऐसे में आज हम आपको पांच तरह के स्वादिष्ट सैंडविच की रेसिपी बताने जा रहे हैं जिन्हें आप कुछ ही मिनटों में घर पर बना सकते हैं। ये न सिर्फ खाने में लाजवाब हैं बल्कि हेल्दी और एनर्जेटिक भी हैं। तो चलिए जानते हैं इन्हें बनाने का आसान तरीका और खास टिप्स जिससे आपके सैंडविच बनें बिल्कुल कैफे स्टाइल।

### 1. वेज ग़िल सैंडविच

ये सैंडविच बनाना काफी आसान है। इसके लिए सबसे पहले तो ब्रेड पर बटर लगाएं, उसमें टमाटर, खीरा, आलू, और चटनी लगाएं। अब इसे सैंडविच मेकर में गोल्डन ब्राउन होने तक ग़िल करें। इसे चटनी और कैचअप के साथ परोसें।

### 2. पनीर टिकका सैंडविच

पनीर टिकका सैंडविच खाने में काफी स्वादिष्ट लगता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले पनीर को मसालों

और दही में मेरिनेट करें। इसके बाद इसे इसे ब्रेड के बीच में रखकर ग़िल करें और पुदीना चटनी के साथ परोसें।

### 3. एग मेयो सैंडविच

अगर आपको अंडे खाना पसंद है तो आप उबले अंडे को कट्टूकस करके उसमें मेयोनेज को मिव्स करें। दोनों चीजों को मिव्स करें और फिर नमक, काली मिर्च डालें और टोस्टेड ब्रेड पर लगाएं। बस इसे फिर ग़िल कर लें और कैचअप के साथ परोसें।

### 4. चीज कॉर्न सैंडविच

ये सैंडविच ज्यादातर हर किसी को पसंद आता है। ये सैंडविच बनाने के लिए सबसे पहले स्वीट कॉर्न को उबाल लें। अब इसमें चीज और थोड़ा ओरिगेनो मिलाएं। अब इसे इसे ब्रेड में भरकर ग़िल करें। ये सिंपल सा सैंडविच बच्चों से लेकर बड़े भी खूब चाव से खाते हैं।

### 5. स्पाइसी चटनी सैंडविच

जो लोग तीखा खाना पसंद करते हैं तो उनके लिए ये सैंडविच कमाल का है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले ब्रेड पर हरी चटनी फैलाएं। इस हरी चटनी को तीखा ही रखें। अब चटनी फैलाने के बाद टमाटर और प्याज रखें। आखिर में इसे हल्का टोस्ट करें और गर्मागर्म सर्व करें।



## बच्चों में जोड़ों के दर्द के 7 संकेत, आज नजरअंदाज किया तो उम्र भर रहेंगे परेशान

बच्चों में जोड़ों से जुड़ी दिक्कतें केवल उम्रदराज लोगों में नहीं, बल्कि छोटे बच्चों में भी हो सकती हैं। कई बार माता-पिता इसे सामान्य बढ़ने का दर्द समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यदि ये दर्द बार-बार हों या रात में बढ़ जाएं, तो ये



जोड़ों की समस्या का संकेत हो सकता है। यहां बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा बताए गए 7 प्रमुख संकेत दिए गए हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

### रात में बढ़ने वाला दर्द

अगर बच्चे को दिन में ठीक रहता है लेकिन रात को दर्द बढ़ जाता है, तो यह सामान्य नहीं है। ऐसा दर्द सूजन या जोड़ों में सूक्ष्म संक्रमण का संकेत हो सकता है।

### चलने या दौड़ने में कठिनाई

यदि बच्चा अचानक लंगड़ाने लगे, धीरे चले या दौड़ने से बचे, तो ये संकेत हैं कि उसके जोड़ों में दर्द या जकड़न (इन्फ्लेमेटरी प्रोसेस) हो सकती है।

### सूजन या लालिमा

किसी एक या अधिक जोड़ों में सूजन, लालपन या गर्माहट महसूस होना सूजन

(इन्फ्लेमेटरी प्रोसेस) का संकेत है। यह आर्थराइटिस या संक्रमण से भी हो सकता है।

### सुबह उठते ही जकड़न

यदि बच्चा सुबह उठते ही अपने हाथ-पैरों को मोड़ने या सीधा करने में परेशानी बताता है, तो यह जोड़ों में सूजन या आर्थराइटिस का लक्षण हो सकता है।

### किसी विशेष जोड़ में बार-बार दर्द

अगर दर्द हर बार एक ही घुटने, टखने या कोहनी में हो रहा है, तो यह केवल थकान नहीं, बल्कि जोड़ों की कोई आंतरिक समस्या हो सकती है।

### बुखार या थकान के साथ दर्द

अगर जोड़ों का दर्द बुखार, कमजोरी या भूख न लगने के साथ हो, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए। यह संक्रमण या ऑटोइम्यून बीमारी का संकेत हो सकता है।

### बच्चे का खेलने से बचना

यदि बच्चा पहले की तरह खेलना, कूदना या चढ़ना-उतरना छोड़ दे, तो यह दर्द से बचने की कोशिश हो सकती है।

### कब डॉक्टर को दिखाए

अगर बच्चे का दर्द 2 हफ्तों से ज्यादा बना रहे, जोड़ों में सूजन या बुखार आ जाए या फिर बच्चा लंगड़ाने लगे या चलने से बचे तो डॉक्टर को जरूर दिखाएं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि बच्चों के जोड़ों के दर्द को ‘इन्फ्लेमेटरी प्रोसेस’ मानकर टालना ठीक नहीं। जल्दी जांच कराने पर समस्या का इलाज सरल और प्रभावी हो सकता है। संतुलित आहार, पर्याप्त पानी और हल्की फिजिकल एक्टिविटी बच्चों के जोड़ों को मजबूत रखते हैं।

## शुरू हो गई हैं सर्दियां, बनाकर तैयार करें ये पांच तरह के लड्डू ताकि न हो तबियत खराब



सर्दियों का मौसम आते ही शरीर को अतिरिक्त पोषण और गर्माहट की जरूरत होती है। इस मौसम में हमारी इम्युनिटी अक्सर कमजोर पड़ जाती है, जिससे सर्दी-जुकाम जल्दी हो सकती है। ऐसे में घर पर बने देसी लड्डू न केवल स्वाद में लाजवाब होते हैं, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद हैं। पारंपरिक तरीके से बनाए गए लड्डू शरीर को एनर्जी, गर्मी और जरूरी न्यूट्रिएंट्स देते हैं।

सर्दी के मौसम में कुछ खास तरह के लड्डू पाचन को बेहतर बनाते हैं, जोड़ों के दर्द से राहत देते हैं और शरीर को अंदर से मजबूत बनाते हैं। अगर आप ठंड में स्वस्थ और एक्टिव रहना चाहते हैं, तो अपनी डाइट में इन देसी लड्डूओं को जरूर शामिल करें। आइए जानते हैं ऐसे पांच तरह के लड्डू जो सर्दियों में आपकी तबीयत खराब होने से बचा सकते हैं।

### तिल-गुड़ के लड्डू

तिल और गुड़ का मेल सर्दियों में सबसे बेहतरीन माना जाता है। ये शरीर को गर्म रखता है और ब्लड में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाता है।



दिनभर पढ़न से बच्चा होनहार नहीं हो जाएगा। जरूरी है कि हर एक दो घंटे की पढ़ाई के बाद उसे 10-15 मिनट का ब्रेक मिले। इस ब्रेक में वह दिमाग को फ्रेश करें। शारीरिक गतिविधि करें ताकि उसके दिमाग को आराम और सेहत दुरुस्त रह सके। इसके साथ ही नींद बेहतर जरूरी है। बच्चे को कम से कम 7-8 घंटे की नींद लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

### खानपान का ध्यान रखें

बच्चे को पौष्टिक भोजन दें, जिसमें फल, सब्जियां, नट्स, और प्रोटीन शामिल हो। जंक फूड देने से बचें। ये सेहत के लिए तो नुकसानदायक होता ही है, एकाग्रता भी भंग करता है। परीक्षा से ध्यान भटकाने वाले कारकों को कम करें, जैसे बच्चे के मोबाइल और सोशल मीडिया उपयोग को नियंत्रित करें। घर का माहौल ऐसा हो जहां वह पढ़ाई के लिए ध्यान केंद्रित कर सके और शांत वातावरण में मन लगा कर पढ़ सके।

### रिवीजन और मॉक टेस्ट पर ध्यान दें

परीक्षा के करीब आते-आते बच्चे को पूरे सिलेबस का रिवीजन करने के लिए प्रेरित करें। समय सीमा के साथ मॉक टेस्ट दें ताकि बच्चे को परीक्षा का अनुभव हो सके।

### आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करें

बच्चे को समस्याओं को खुद हल करने की आदत डालें। जब बच्चा किसी प्रश्न में अटका हो, तब उसे मार्गदर्शन दें, लेकिन उसे पूरी तरह आप पर निर्भर न बनाएं।

इसमें कैल्शियम और आयरन भरपूर होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाता है।

### गोंद के लड्डू

गोंद से बने लड्डू जोड़ों के दर्द और ठंड से होने वाली कमजोरी में फायदेमंद होते हैं। इसमें घी, मेवा और गेहूं का

आटा मिलाकर बनाया जाता है जो एनर्जी बूस्टर की तरह काम करता है।

### मेथी के लड्डू

मेथी के लड्डू सर्दियों में शरीर को अंदर से गर्म रखते हैं और ब्लड शुगर को नियंत्रित करते हैं। महिलाओं के लिए ये खासतौर पर फायदेमंद माने जाते हैं क्योंकि ये हॉर्मोनल बैलेंस को भी सपोर्ट करते हैं।

### मूंगफली के लड्डू

मूंगफली प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। इसके लड्डू ठंड के मौसम में ऊर्जा प्रदान करते हैं और इम्युनिटी बढ़ाते हैं। गुड़ के साथ मिलाकर खाने से ये स्वादिष्ट और पौष्टिक दोनों बन जाते हैं।

### सूखे मेवे के लड्डू

बादाम, काजू, अखरोट, किशमिश और खजूर से बने लड्डू विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होते हैं। ये शरीर को ताकत देते हैं और रिकन ग्लोइंग बनाए रखते हैं। तो आप चाहें तो इसे भी बनाकर तैयार कर सकते हैं।

### सरकार ने कपास आयात पर सीमा शुल्क छूट 31 दिसंबर तक बढ़ाई

नई दिल्ली ।

सरकार ने घरेलू कपड़ा क्षेत्र को बढ़ावा देने और उत्पादन लागत कम करने के लिए कपास आयात पर सीमा शुल्क छूट की अवधि दो महीने बढ़ाकर 31 दिसंबर, 2026 तक कर दी है। यह छूट पहले 31 अक्टूबर तक प्रभावी थी। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि इस फैसले से कपड़ा और परिधान क्षेत्र की उत्पादन लागत में कमी आने की उम्मीद है, जिसका सीधा लाभ कपड़ा बनाने वाली कंपनियों और अंततः उपभोक्ताओं को मिलेगा। यह कदम बाजार में कपास की बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित करेगा, जिससे घरेलू कपड़ा उद्योग, विशेषकर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएमई) के प्रदर्शन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना है। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि इस विस्तार से घरेलू किसानों के हितों का भी ध्यान रखा गया है।

### बाइजैस पर अब तक का सबसे बड़ा साइबर हमला, 6.3 अरब की क्रिप्टो चोरी

**उत्तर कोरिया एर सटेंड, एक्सचेज ने ग्राहकों के नुकसान की भरपाई का आश्वासन दिया**

नई दिल्ली ।

दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टोकॉरेंसी एक्सचेंज बाइजैस को एक बड़े साइबर हमले का सामना करना पड़ा है, जिसमें हैकरों ने अनुमानित 6.3 अरब डॉलर (लगभग 52,000 करोड़ रुपये) की क्रिप्टोकॉरेंसी चुरा ली। इस घटना ने वैश्विक क्रिप्टो बाजार को हिला दिया है और विश्लेषकों ने इस चोरी के पीछे उत्तर कोरिया का हाथ होने का आरोप लगाया है, जिसे अब तक की सबसे बड़ी वित्तीय डकैतियों में से एक बताया जा रहा है। बाइजैस पर हुआ यह जटिल हमला गुरुवार देर रात को लगभग 20 मिनट के भीतर अंजाम दिया गया, जिसने कंपनी के वॉलेट को हैकरों के नियंत्रण वाले वॉलेट में क्रिप्टोकॉरेंसी स्थानांतरित करने का निर्देश दिया। हमले की खबर सामने आते ही क्रिप्टोकॉरेंसी की कीमतों में तेजी से गिरावट आई और बाइजैस ने ग्राहकों की सुरक्षा के लिए निकासी सेवाओं को अस्थायी रूप से रोक दिया। स्ट्रेबलकॉइन जारी करने वाली कुछ कंपनियों ने चोरी की गई संपत्तियों में से लगभग आधी, यानी करीब 3 अरब डॉलर, को फंजी कर दिया है। अमेरिकी ब्लॉकचेन विश्लेषण कंपनियों और संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के अनुसार, इस हमले के तैर-तरीके उत्तर कोरिया की विशिष्ट हैकिंग इकाई द्वारा पहले किए गए बड़े साइबर हमलों से मिलते-जुलते हैं। 2025 में हुए बायबिट एक्सचेंज हमले के लिए भी एफबीआई ने उत्तर कोरिया को जिम्मेदार ठहराया था, हालांकि उत्तर कोरिया ऐसे आरोपों से लगातार इनकार करता रहा है।

बाइजैस ने तुरंत घोषणा की है कि वह ग्राहकों के नुकसान की भरपाई अपने कोष से करेगी, जिसके लिए उसने लगभग 6.34 अरब डॉलर अलग रखे हैं। कंपनी के पास सुरक्षा में सेंधमारी की स्थिति में ग्राहकों की संपत्तियों की सुरक्षा के लिए 1 अरब डॉलर का बिटकॉइन रिजर्व फंड भी है। बाइजैस एफबीआई और अमेरिकी सीक्रेट सर्विस जैसी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर इस मामले की गहन जांच कर रहा है। कंपनी ने सोशल मीडिया पर बताया कि निकासी सेवाएं अगले 48 घंटों में फिर से शुरू होने की उम्मीद है। इस सेंधमारी के बाद बिटकॉइन छह सप्ताह के निचले स्तर 76,368 डॉलर पर आ गया, जबकि ईथर भी 3 फीसदी से अधिक गिरकर 2,178 डॉलर रह गया।

### एयू एसएफबी पर डेटा लीक का खतरा हैकर्स का संवेदनशील जानकारी चुराने का दावा

नई दिल्ली ।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक एक संभावित डेटा लीक के बड़े खतरे में है। स्कारलेट ग्रुप नामक हैकिंग समूह ने बैंक के ग्राहकों और आंतरिक रिकॉर्ड से आधार, पैन, केवाईसी, सिबिल स्कोर जैसी संवेदनशील जानकारी चुराने का दावा किया है। हैकर्स ने बैंक को बातचीत के लिए छह दिन की समय सीमा दी है और डेटा सार्वजनिक करने की धमकी दी है। बैंक ने हालांकि अपने मुख्य सिस्टम को सुरक्षित बताया है, पर सेल्सफोर्स ऐप से जुड़े सीमित डेटा ब्रीच की संभावना स्वीकार की है। हैकर्स का दावा है कि लीक हुए डेटा में ग्राहकों के आधार, पैन, केवाईसी, सिबिल स्कोर, बैंक स्टेटमेंट और ऋण संबंधी विवरण, साथ ही आंतरिक कंपनी रिकॉर्ड भी शामिल हैं। इन दावों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। बैंक ने पुष्टि की है कि केवल उसके वाहन वित्त ग्राहकों से जुड़ी सीमित जानकारी प्रभावित हुई है। बैंक का कहना है कि मुख्य बैंकिंग सिस्टम अप्रभावित है और सभी सेवाएं सामान्य हैं; मामले की गहन जांच जारी है। ग्राहकों को अनजान कॉल/मैसेज से सावधान रहने, ओटीपी/पिन/पासवर्ड साझा न करने, और नियमित रूप से लेनदेन की जांच करने को कहा गया है। संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना बैंक को देने की सलाह दी गई है।

## सरकार के सिंगल यूज उपकरण प्रतिबंध पर अस्पतालों का कड़ा विरोध

**प्रमुख अस्पताल समूहों ने सरकार को सौंपा ज्ञापन, डायलिसिस समेत कई सेवाएं होंगी प्रभावित**

नई दिल्ली ।

देश के बड़े अस्पताल समूहों और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी एसोसिएशनो ने सरकार से उद्द फैसले का कड़ा विरोध किया है, जिसमें एक बार इस्तेमाल होने वाले चिकित्सा उपकरणों के दोबारा उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। उनकी चिंता है कि

इस निर्णय से जटिल बीमारियों के इलाज का खर्च 25 से 75 फीसदी तक बढ़ सकता है और डायलिसिस जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं भी बुरी तरह प्रभावित होंगी। अस्पतालों ने कहा है कि पहले से ही आर्थिक दबाव झेल रहे स्वास्थ्य क्षेत्र की मुश्किलें इससे और बढ़ेंगी। नारायण हेल्थ, मणिपाल हॉस्पिटल्स, फोर्टिस हेल्थकेयर,

केआईएमएस हॉस्पिटल्स और मेदांता सहित कई बड़े अस्पताल समूहों के वरिष्ठ अधिकारियों ने विभिन्न स्वास्थ्य एसोसिएशनों के साथ मिलकर सरकार को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा है। इसमें उन्होंने मांग की है कि एक बार इस्तेमाल होने वाले सभी मेडिकल उपकरणों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के बजाय, कुछ चुनिंदा उपकरणों

को तय सुरक्षा मानकों के तहत दोबारा इस्तेमाल करने की अनुमति दी जाए। दरअसल, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) ने 16 अक्टूबर को एक निर्देश जारी कर उन चिकित्सा उपकरणों के दोबारा इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी, जिन्हें निर्माता कंपनियों ने केवल एक बार इस्तेमाल के लिए बनाया है।

समूह यूरोप और अफ्रीका के प्रमुख बाजारों में दूरसंचार सेवाएं प्रदान करता है। निष्पक्ष व्यापार नियामक सीसीआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए इस प्रस्तावित सौदे को अपनी अंतिम मंजूरी की पुष्टि की है, जिससे वोडाफोन समूह में एक महत्वपूर्ण शेयरधारक के रूप में जेवियर नियल की एंट्री का रास्ता साफ हो गया है।

समूह यूरोप और अफ्रीका के प्रमुख बाजारों में दूरसंचार सेवाएं प्रदान करता है। निष्पक्ष व्यापार नियामक सीसीआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए इस प्रस्तावित सौदे को अपनी अंतिम मंजूरी की पुष्टि की है, जिससे वोडाफोन समूह में एक महत्वपूर्ण शेयरधारक के रूप में जेवियर नियल की एंट्री का रास्ता साफ हो गया है।

सीसीआई द्वारा जारी बयान के अनुसार, नियल अपनी पारिवारिक निवेश कंपनी वेगा एसएएस के जरिए यह हिस्सेदारी खरीद रहे हैं। वेगा, फ्रांस के कानून के तहत रंजीकृत एक सरलीकृत संयुक्त शेयर बाजार की कंपनी माया एसएएस की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। जेवियर नियल फ्रांस की दूरसंचार कंपनी इलियड के संस्थापक भी हैं, जो उन्हें

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने फ्रांसीसी उद्योगपति जेवियर नियल को बिटैन स्थित वोडाफोन समूह पीएलसी में 16.2 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की योजना को अपनी मंजूरी दे दी है। यह अधिग्रहण नियल की पारिवारिक निवेश कंपनी वेगा एसएएस के माध्यम से किया जाएगा।

## उतार-चढ़ाव भरे सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार ने मारी बाजी

**फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों को स्थिर रखने के फैसले ने बाजार को नई दिशा दी**

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार के लिए पिछला सप्ताह बेहद उतार-चढ़ाव भरा रहा। वैश्विक कारकों और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के दबाव में सप्ताह की शुरुआत गिरावट के साथ हुई, लेकिन अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों को स्थिर रखने के फैसले ने बाजार को नई दिशा दी। शुरुआती झटकों और बीच के दबाव के बावजूद, निवेशकों के भरोसे ने बाजार को मजबूत वापसी करने में मदद की, और प्रमुख सूचकांकों ने लगभग 2 फीसदी की साप्ताहिक बढ़त के साथ सप्ताह का अंत किया। सप्ताह की शुरुआत सोमवार

को जोरदार गिरावट के साथ हुई, जहां सेंसेक्स 500 अंक से अधिक और निफ्टी 185 अंक से अधिक लुढ़क गया। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और रुपये में कमजोरी ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। हालांकि, शुरुआती बिकवाली के बाद बाजार ने गजब की वापसी करते हुए निचले स्तरों से लगभग 2 फीसदी की रिकवरी दर्ज की, और सेंसेक्स 482 अंक तथा निफ्टी 153 अंक की बढ़त के साथ बंद हुए। मंगलवार को बाजार एक बार फिर वैश्विक दबाव में दिखा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और फेड के

### पीआई इंडस्ट्रीज ने भारत में विकसित पहला कीटनाशक अणु पेश किया

**छह नवंबर से होगा व्यावसायिक इस्तेमाल**

नई दिल्ली ।

पीआई इंडस्ट्रीज ने भारत में विकसित किए गए पहले कीटनाशक अणु पायोक्सानिलिप्रोल को लॉन्च किया है। एंथानिलिक डायमाइड वर्ग का यह अभिनव उत्पाद 6 नवंबर को रबी सत्र के दौरान बाजार में उतारा जाएगा, जिसका प्रारंभिक लक्ष्य धान और मक्का की फसलें होंगी। कंपनी के एक अे अधिकारी ने बताया कि पायोक्सानिलिप्रोल एक दशक से अधिक के गहन शोध का परिणाम है। इसे विशेष रूप से भारतीय कृषि परिस्थितियों और किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। धनतेरस के अवसर पर इसकी शुरुआत में, कंपनी पहले चरण में धान और मक्का पर केंद्रित रहेगी, जिसे बाद में अन्य फसलों के लिए भी उपलब्ध कराया जाएगा। शुरुआत में इसे रबी सत्र के दौरान उन चुनिंदा फसलों और क्षेत्रों में सीमित मात्रा में उतारा जाएगा जहां इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है, न कि एक साथ देशभर में। पीआई इंडस्ट्रीज का लक्ष्य केवल बिन्नी बढ़ाना नहीं, बल्कि किसानों के साथ मिलकर काम करना है। इसके तहत लगभग एक लाख किसानों को नमूने उपलब्ध कराकर, खेतों में इसका प्रदर्शन किया जाएगा और उनसे प्रतिक्रिया ली जाएगी।

## महाराष्ट्र में लंबे अभियान के दौरान 18.94 करोड़ का खाद्य तेल जब्त

**80 कारोबारियों के लाइसेंस निलंबित, एफडीए आयुक्त ने मिलावटखोरों को चेताया**

मुंबई ।

महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने खाद्य तेल में मिलावट और घटिया गुणवत्ता के खिलाफ चलाए गए सात महीने के अभियान में बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने इस दौरान करीब

18.94 करोड़ रुपये मूल्य का 28,753 क्विंटल खाद्य तेल जब्त किया और 80 खाद्य कारोबारियों के लाइसेंस निलंबित कर दिए।

एफडीए ने एक अप्रैल से 29 अक्टूबर के बीच राज्य भर में 1,089 निरीक्षण किए। इन छापों में खाद्य तेल निर्माताओं, री-पैकिंग करने वालों, थोक एवं खुदरा विक्रेताओं को निशाना बनाया गया।

प्रयोगशाला जांच के लिए 1,660 नमूने एकत्र किए गए, जिनमें से 485 की रिपोर्ट आ चुकी है। एफडीए आयुक्त तुकाराम मुंडे ने चेतावनी दी है कि मिलावटी

या असुरक्षित तेल के निर्माण, भंडारण या बिक्री पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। विभाग ने राज्य के सात मंडलों में 80 लाइसेंस निलंबित किए हैं, जिनमें छत्रपति संभाजीनगर में सर्वाधिक 27 और पुणे में 22 लाइसेंस शामिल हैं।

जब्त तेल की बात करें तो पुणे में सबसे अधिक 19,551 क्विंटल और छत्रपति संभाजीनगर में 5,736 क्विंटल तेल बरामद हुआ।

## लायंस और सरकार का गैस विवाद अब मध्यस्थता से सुलझेगा-सुप्रीम कोर्ट

**कृष्णा-गोदावरी बेसिन में गैस की कथित चोरी से जुड़ा है मामला**

नई दिल्ली ।

उच्चतम न्यायालय ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआइएल) और केंद्र सरकार के बीच लंबे समय से चले आ रहे लगभग 14,750 करोड़ रुपये के गैस विवाद को सुलझाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। न्यायालय ने इस जटिल मामले को मध्यस्थता के लिए भेज दिया है और पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई को मध्यस्थ नियुक्त किया है। यह विवाद कृष्णा-गोदावरी बेसिन में पड़ोसी ओएनजीसी गैस ब्लॉक से कथित तौर पर गैस निकालकर रिलायंस के ब्लॉक में पहुंचाने से संबंधित है, जिससे सरकार को राजस्व का नुकसान होने का आरोप है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने इस मामले में मध्यस्थता का रास्ता तब चुना, जब उसने पाया कि दोनों पक्षों के बीच कोई आपसी सहमति वाला समाधान नहीं निकल पा रहा था। न्यायालय ने कहा कि न्यायमूर्ति देसाई को ऐसे जटिल व्यावसायिक विवादों को सुलझाने का व्यापक अनुभव है। न्यायालय

हालांकि, मूल्य के हिसाब से छत्रपति संभाजीनगर में 8.34 करोड़ रुपये का तेल जब्त किया गया, जो सबसे अधिक है। लाइसेंस निलंबन के प्रमुख कारणों में दोबारा इस्तेमाल किए गए टिन, बिना लेबल वाले कंटेनरों में तेल बेचना, स्वच्छता मानकों का उल्लंघन और लेबलिंग नियमों की अनदेखी शामिल है। निलंबित प्रतिष्ठान इस अवधि में कोई भी खाद्य कारोबार नहीं कर पाएंगे।

ने दोनों पक्षों को यह भी अनुमति दी है कि वे मध्यस्थ की सहयता के लिए एक-एक विशेषज्ञ को नियुक्त कर सकते हैं। रिलायंस की ओर से अदालत को बताया गया कि कंपनी मध्यस्थता के लिए पूरी तरह तैयार है। दोनों पक्ष मध्यस्थ के सामने लिखित और मौखिक रूप से अपना पक्ष रख सकेंगे और उन्हें न्यायमूर्ति देसाई से संपर्क कर बैठक तथा सुनवाई का सुविधाजनक कार्यक्रम तय करने को कहा गया है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने मध्यस्थता पूरी करने के लिए कोई समय-सीमा तय नहीं की है। मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी, जिसमें मध्यस्थता की प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

यह मामला रिलायंस और उसके सहयोगी कंपनियों की उस अपील से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने रिलायंस के पक्ष में आए 14,750 करोड़ रुपए के पिछले मध्यस्थता फैसले को रद्द कर दिया था।

### सोना और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट

**- सोना 1.42 लाख, चांदी 1.85 लाख के पर**

नई दिल्ली ।

भारतीय सर्राफा बाजार में शे निवार को सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे ग्राहकों को खरीदारी का एक सुनहरा अवसर मिला है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में जारी तेज बिकवाली का सीधा असर घरेलू सर्राफा बाजार पर दिखा। चांदी लगभग 11 महीने के अपने सबसे निचले स्तर 1,85,504 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई, जबकि 24 कैरेट सोने का भाव 1,42,540 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। यह गिरावट केवल आज की नहीं है, बल्कि शुरुवार को भी राष्ट्रीय राजधानी में चांदी 8,300 रुपये गिरकर 1,90,200 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी, जबकि सोना 1,300 रुपये की कमी के साथ 1,45,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था। जानकारों के अनुसार, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, वैश्विक मंहंगई की चिंताएं और अमेरिका में ब्याज दरों पर सख्त रुख की आशंका इस गिरावट के प्रमुख कारण हैं। डॉलर की मजबूती और निवेशकों की रणनीति भी कीमती धातुओं पर दबाव डाल रही है। हालांकि, खरीदारों को सलाह दी जाती है कि आपूर्णों की कुल लागत में मेकिंग चार्ज और जीएसटी भी जुड़ते हैं।



## चीन के शेयर बाजार में भारी गिरावट

**निवेशकों को 329 लाख करोड़ का नुकसान**

**भारत और अमेरिका के शेयर बाजार भी चीन की राह पर ?**

नई दिल्ली ।

दुनिया के शेयर बाजारों में इन दिनों जिस तरह की अनिश्चितता दिखाई दे रही है। उसने अंतरराष्ट्रीय निवेशकों और आर्थिक विशेषज्ञों की चिंता बढ़ा दी है। चीन, अमेरिका और भारत जैसे बड़े बाजारों में उतार-चढ़ाव केवल घरेलू अर्थव्यवस्था का मामला नहीं रह गया है। इसका असर वैश्विक पूंजी, विदेशी निवेश और अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर भी पड़ रहा है।

चीन के शेयर बाजार में 52 सप्ताह तक लगातार गिरावट और 329 लाख करोड़ रुपये के नुकसान निवेशकों को होने की बात सामने आ रही है।

चीन के शेयर बाजार की गिरावट ने सभी शेयर बाजारों में

हलचल पैदा कर दी है। 25 अक्टूबर की ब्लूमबर्ग रिपोर्ट के अनुसार, मई के बाद से चीनी शेयर बाजार का मूल्य लगभग 31 5 लाख करोड़ डॉलर घट चुका है। भारतीय मुद्रा में यह करीब 329 लाख करोड़ रुपये होता है। 30 अक्टूबर की रॉयटर्स रिपोर्ट के मुताबिक, चीन का सीएसआई 300 सूचकांक लगातार 12वें सप्ताह गिरावट की ओर था। पिछले 12 सप्ताह में लगभग 14 प्रतिशत बाजार टूट चुका था। यह चीन के शेयर बाजार की कमजोरी का महत्वपूर्ण संकेत है।

**चीन की गिरावट के आर्थिक कारण**

चीन की अर्थव्यवस्था में घरेलू खपत की कमजोरी, रियल एस्टेट क्षेत्र का संकट, कंपनियों के मुनाफे में गिरावट और कुत्रिम बुद्धिमत्ता (ट्रु) से जुड़ी कंपनियों के शेयरों का अत्यधिक मूल्यांकन प्रमुख

कारण माना जा रहा है। निवेशकों को आशंका है, कंपनियों का उत्पादन और निर्यात बढ़ने के बावजूद घरेलू मांग तथा वास्तविक मुनाफे में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो रही है। तकनीकी कंपनियों में भारी निवेश के बावजूद भविष्य में उससे कितना लाभ होगा, इस पर भी सवाल उठ रहे हैं।

**भारत में विदेशी निवेशकों की बिकवाली चिंता का विषय**

भारत के शेयर बाजार में सबसे बड़ी चुनौती विदेशी संस्थागत निवेशकों (सब्रहू) की लगातार बिकवाली है। विदेशी मुद्रा भंडार भी चिंता का विषय बना हुआ है। अक्टूबर के पहले 25 दिनों में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से लगभग 48,056 करोड़ रुपये निकाल लिए थे। वर्ष 2026 में कुल निकासी 3.08 लाख करोड़ के स्तर पर पहुंच गई है । सितंबर में भी विदेशी निवेशकों ने

35,861 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। इसके पीछे अमेरिका के सरकारी बॉन्ड पर 5 प्रतिशत से अधिक ब्याज मिलने, डॉलर की मजबूती, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और एशियाई तकनीकी कंपनियों में निवेश के बढ़ते आकर्षण मुख्य कारण हैं। विदेशी निवेशकों के लिए भारत की तुलना में दूसरे बाजारों में निवेश अधिक आकर्षक और सुरक्षित दिखाई दे रहा है।

**जिओ की लिस्टिंग से मिली बाजार को राहत** भारतीय शेयर बाजार में अक्टूबर के अंतिम दिनों में कुछ सुधार जरूर आया है। 30 अक्टूबर को सेंसेक्स 0.42 प्रतिशत और निफ्टी 0.51 प्रतिशत बढ़कर बंद हुए। पूरे अक्टूबर में सेंसेक्स में 2.7 प्रतिशत और निफ्टी में 1.9 प्रतिशत की बढ़त दर्ज हुई।

### जतिन कुमार नायक ने संभाला इरेडा के चेयरमैन का पदभार

नई दिल्ली ।

जतिन कुमार नायक ने भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) का पदभार संभाल लिया है। कंपनी ने बयान जारी कर यह जानकारी दी। नायक इससे पहले सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी आईसी लिमिटेड में कार्यकारी निदेशक (वित्त) के पद पर कार्यरत थे। कंपनी के अनुसार नायक को तीन दशक से अधिक का व्यापक और विविध अनुभव है। वह आईसी की अनुषंगी कंपनी आईसी ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट्स कंपनी लिमिटेड में मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। अपने करियर के शुरुआती दौर में उन्होंने एएचपीसी, हिंदुस्तान कॉपर, नेशनल एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड (नाल्को) और नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड में भी काम किया है। उनका अनुभव बिजली क्षेत्र के साथ-साथ खनन एवं धातु जैसे संसाधन-आधारित उद्योगों में भी रहा है। नायक ने ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित उत्कल विश्वविद्यालय से वाणिज्य में स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की है। इससे पहले मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने उन्हें यह जिम्मेदारी देने के लिए मंजूरी दी थी।

## विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में की भारी बिकवाली, 22,012 करोड़ के शेयर बेचे

### घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 62,220 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड निवेश किया

नई दिल्ली ।

अक्टूबर महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय शेयर बाजार से 22,012 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जिससे उनकी इस साल की कुल बिकवाली 2.87 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। हालांकि, एफपीआई की इस लगातार बिकवाली के बावजूद भारतीय बाजार मजबूत बने रहे, जिसका मुख्य श्रेय घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की रिकॉर्ड खरीदारी और प्राथमिक बाजार में आए दमदार आईपीओ को जाता है। आंकड़ों के अनुसार, जहां एफपीआई ने सेकेंडरी बाजार से बड़ी निकासी की, वहीं उन्होंने प्राथमिक बाजार, जिसमें आर्थिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) शामिल हैं, के जरिये 12,902 करोड़ रुपये का निवेश किया। यह पिछले 15 महीनों में प्राथमिक बाजारों में उनका सबसे बड़ा निवेश है, जिसने सेकेंडरी बाजार में बिकवाली के असर को कुछ मासिन पर दबाव प्रमुख है।



## जापान को 4-1 से हराया, अभिषेक-हरमनप्रीत और विष्णुकांत ने दागे गोल



## भारतीय हॉकी टीम ने लगाई जीत की हैट्रिक

**जालंधर, एजेंसी।** भारतीय हॉकी टीम का एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन जारी है। पांच बार की चैंपियन भारत ने खेले गए मुकाबले में जापान को 4-1 से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत दर्ज की और सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत की जीत के हीरो अभिषेक नैन रहे, जिन्होंने दो शानदार मैदानी गोल दागे। भारत की ओर से अभिषेक नैन ने 11वें और 51वें मिनट में गोल किया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 47वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागा, जबकि विष्णुकांत सिंह ने 56वें मिनट में मैदानी गोल कर भारत की जीत सुनिश्चित कर दी। जापान की ओर से एकमात्र गोल शोता यामादा ने 15वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर किया।

## पहले हाफ में जापान ने दी कड़ी चुनौती

मुकाबले की शुरुआत में जापान ने आक्रामक रुख अपनाया और दूसरे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया। हालांकि, जापानी खिलाड़ी केन नागायोशी का प्रयास लक्ष्य से चूक गया। शुरुआती मिनटों में भारतीय मिडफील्ड और फॉरवर्ड लाइन के बीच तालमेल की कमी नजर आई। उपकप्तान हार्दिक सिंह ने खेल को संभालने की कोशिश की। इसी बीच 11वें मिनट में भारत ने शानदार मूव बनाते हुए

## आखिरी क्वार्टर में भारतीय खिलाड़ियों ने बदला मैच का रुख

तीसरे क्वार्टर में भी दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। भारत ने गोल करने के कुछ अच्छे मौके बनाए, लेकिन जापानी गोलकीपर ताकूमि कितागावा ने शानदार बचाव किया। 36वें मिनट में जापान को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सका। तीन क्वार्टर तक स्कोर 1-1 रहने के बाद भारतीय टीम ने आखिरी 15 मिनट में आक्रामक खेल दिखाया। 46वें मिनट में भारत को मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने शानदार लो पिलक के जरिए गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाकर भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी। इसके बाद 51वें मिनट में अभिषेक ने बेहतरीन मैदानी गोल कर भारत की बढ़त 3-1 कर दी। मैच खत्म होने से चार मिनट पहले यानी 56वें मिनट में विष्णुकांत सिंह ने कप्तान हरमनप्रीत सिंह के स्ट्रोक एरियल पास को गोल में बदलकर स्कोर 4-1 कर दिया।

## अब मलेशिया से होगा भारत का अगला मुकाबला

भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में इससे पहले बांग्लादेश को 13-0 और चीन को 5-2 से हराया था। वहीं, जापान ने दक्षिण कोरिया को 3-2 और बांग्लादेश को 1-0 से मात दी थी। भारत का अगला मुकाबला रविवार को मलेशिया से होगा। हाल ही में आयोजित आइची-नागोया एशियन गेम्स में भी भारतीय टीम ने मलेशिया को 5-1 से हराया था। वहीं, जापान की टीम अगले मुकाबले में चीन से भिड़ेगी।

बहुत हासिल कर ली। हार्दिक सिंह ने सर्कल के अंदर सुखजीत सिंह को गेंद दी, जिन्होंने अभिषेक को पास दिया। अभिषेक ने गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाकर भारत को 1-0 से आगे कर दिया। यह अभिषेक का 150वां अंतरराष्ट्रीय मुकाबला भी था।

हालांकि, जापान ने हार नहीं मानी। पहले क्वार्टर के आखिरी क्षणों में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए।

दूसरे प्रयास के दौरान गेंद भारतीय खिलाड़ी संजय के शरीर से टकराई, जिसके बाद जापान को पेनल्टी स्ट्रोक मिला। 15वें मिनट में शोता यामादा ने इसे गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद जापान ने मजबूत रक्षात्मक खेल दिखाया और भारतीय खिलाड़ियों को गोल करने के ज्यादा मौके नहीं दिए। पहले हाफ की समाप्ति तक दोनों टीमों 1-1 की बराबरी पर रहीं।

## युवराज सिंह की चयनकर्ताओं को बड़ी सलाह

## अभिषेक-वैभव को वनडे में मौका नहीं मिला तो होगी बड़ी नाइंसाफी

**नई दिल्ली।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह ने युवा बल्लेबाजों को लेकर बड़ा बयान दिया है। युवराज चाहते हैं कि अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी और ईशान किशन को वनडे क्रिकेट में भी नियमित मौके मिलने चाहिए। उनका मानना है कि इन खिलाड़ियों की प्रतिभा को देखते हुए उन्हें 50 ओवर के फॉर्मेट से दूर रखना सही नहीं है।

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह का मानना है कि अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी और ईशान किशन जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को वनडे क्रिकेट में भी खेलने का मौका मिलना चाहिए। युवराज लंबे समय से अभिषेक को मार्गदर्शन देते रहे हैं और उनकी बल्लेबाजी को करीब से समझते हैं। उन्होंने साफ कहा कि इन खिलाड़ियों को

50 ओवर के फॉर्मेट में मौका नहीं देना उनकी प्रतिभा के साथ नाइंसाफी होगी। युवराज सिंह ने पीटीआई से बातचीत में कहा, 'मैं ईमानदारी से अभिषेक को वनडे क्रिकेट में खेलते हुए देखना चाहूंगा। मैं पहले भी कह चुका हूँ कि अगर हम ईशान किशन, अभिषेक और वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ियों को 50 ओवर के क्रिकेट में नहीं चुनते हैं, तो कहीं न कहीं हम उनकी प्रतिभा के साथ नाइंसाफी कर रहे हैं।' युवराज ने आगे कहा, 'मैं

समझता हूँ कि हमारे पास कुछ बेहतरीन खिलाड़ी हैं और उनके लिए टीम में जगह बनाना मुश्किल है। लेकिन जिस तरह ये युवा बल्लेबाज प्रदर्शन कर रहे हैं, उम्मीद है कि उन्हें जल्द ही टीम में जगह मिलनी चाहिए। अभिषेक ने जो कुछ हासिल किया है, वह उनकी कड़ी

## तीनों खिलाड़ियों ने दिखाई है अपनी ताकत

अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और वैभव सूर्यवंशी ने टी20 क्रिकेट में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से खास पहचान बनाई है। ईशान किशन ने 2026 टी20 वर्ल्ड कप में भारत की खिताबी जीत में अहम योगदान दिया था। वहीं अभिषेक अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से लगातार प्रभावित कर रहे हैं। दूसरी ओर युवा वैभव सूर्यवंशी ने कम उम्र में ही बड़े-बड़े गेंदबाजों के खिलाफ बेखौफ बल्लेबाजी करके सुर्खियां बटोरी हैं।

## ईशान की वनडे टीम में हो चुकी है वापसी

ईशान किशन की वनडे टीम में वापसी कुछ महीने पहले हुई थी। उन्होंने अफगानिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में हिस्सा लिया था। लखनऊ में खेले गए वनडे मुकाबले में ईशान ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 125 रनों की विस्फोटक पारी खेली थी। हालांकि, इंग्लैंड के खिलाफ दो मुकाबलों में वह बड़ी पारी खेलने में सफल नहीं रहे थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी पांच मैचों की वनडे सीरीज के लिए भी ईशान किशन भारतीय टीम का हिस्सा है।

## भारत vs न्यूजीलैंड...

## वनडे सीरीज से पहले टीम इंडिया में बड़ा बदलाव, नबी की हुई एंट्री

**मुंबई, एजेंसी।** न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज से पहले भारतीय टीम में बदलाव किया गया है। चयन समिति ने तेज गेंदबाज आकिब नबी को पहले तीन वनडे मुकाबलों के लिए भी टीम में शामिल कर लिया है। इससे पहले उन्हें सीरीज के चौथे और पांचवें वनडे के लिए चुना गया था। अब वह सीरीज की शुरुआत से ही भारतीय टीम का हिस्सा होंगे।

## आकिब की पहले तीन वनडे में भी हुई एंट्री

आकिब को प्रसिद्ध कृष्णा की जगह भारतीय टीम में शामिल किया गया है। प्रसिद्ध फिलहाल चोट की वजह से रिहब में हैं और उनका टीम में शामिल होना फिटनेस टेस्ट पर आधारित था, लेकिन वह समय से फिट नहीं हो पाए हैं और ऐसे में आकिब को शामिल करना पड़ा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम अपडेट जारी करते हुए बताया कि पुरुष चयन समिति ने आकिब नबी को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले तीन वनडे के लिए भी टीम में शामिल किया है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज आकिब को शुरुआत में सीरीज के आखिरी दो मुकाबलों के लिए चुना गया था। अब उन्हें पहले तीन मैचों के लिए भी टीम में जगह मिल गई है। इस बदलाव के बाद वह पूरी वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का हिस्सा होंगे। हालांकि, बीसीसीआई की ओर से इस बदलाव की कोई वजह नहीं बताई गई है।



## पहले तीन वनडे के लिए भारतीय टीम

पहले तीन मुकाबलों के लिए शुभमन गिल कप्तान होंगे और श्रेयस अय्यर उपकप्तान रहेंगे। टीम में रोहित शर्मा, विराट कोहली और केएल राहुल जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। ईशान किशन को विकेटकीपर के तौर पर जगह मिली है। **पहले तीन वनडे के लिए टीम:** शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, नमन धीर, अशुल कंबोज, गुरनूर बराड़, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी (केवल पहला वनडे), आकिब नबी।

## दो वनडे के लिए अलग टीम

सीरीज के आखिरी दो मुकाबलों के लिए भी भारतीय टीम में बदलाव है। इन मैचों में श्रेयस अय्यर कप्तानी करेंगे, जबकि ईशान किशन उपकप्तान होंगे। तिलक वर्मा, कुमार कुशाग्र और यश ठाकुर को भी टीम में शामिल किया गया है। **चौथे और पांचवें वनडे के लिए टीम:** श्रेयस अय्यर (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर, उपकप्तान), अक्षर पटेल, नमन धीर, आकिब नबी, गुरनूर बराड़, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, यश ठाकुर और कुलदीप यादव।

## हॉंगकॉंग सिक्सेस: भारत ने लगाई हार की हैट्रिक! अब इंग्लैंड ने हराया

**पोंग कोक।** हॉंगकॉंग सिक्सेस 2026 में भारतीय टीम का निराशाजनक प्रदर्शन जारी है। पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बाद अब इंग्लैंड ने भी भारत को हरा दिया है। शनिवार को खेले गए बाउल सेमीफाइनल-2 में इंग्लैंड ने भारत को तीन रन से शिकस्त दी। इस हार के साथ ही भारतीय टीम ने लगातार तीसरी हार झेली। अब भारत को टूर्नामेंट



में 11वें और 12वें स्थान के लिए मुकाबला खेलना होगा। भारत को यूएई के खिलाफ छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। टिन क्वॉंग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में यूएई ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। भारतीय टीम ने छह ओवर में छह विकेट पर 94 रन बनाए। भारत की ओर से टी. नटराजन ने 14 गेंदों में तीन चौके और चार छक्कों की मदद से 38 रन बनाए। राहुल त्रिपाठी ने 24 और कप्तान ऋणाल पंड्या ने 15 रन का योगदान दिया। हालांकि, बाकी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके। जवाब में यूएई ने 95 रन का लक्ष्य महज 4.2 ओवर में बिना विकेट गंवाए हासिल कर लिया। कप्तान खालिद शाह ने 14 गेंदों में नाबाद 52 और अंश टंडन ने 12 गेंदों में नाबाद 39 रन बनाए।

## उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे... नहीं चला भुवनेश्वर का जादू!

## चार साल बाद की थी वापसी, आकाश चोपड़ा ने जताई निराशा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की चार साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही है। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के शुरुआती तीन मुकाबलों में उनके प्रदर्शन ने सवाल खड़े कर दिए हैं। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज और मशहूर कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने भी भुवनेश्वर की वापसी को लेकर निराशा जाहिर की है। आकाश चोपड़ा का मानना है कि भुवनेश्वर की वापसी वैसी नहीं रही, जैसी भारतीय प्रशंसकों और टीम मैनेजमेंट को उनसे उम्मीद थी। यही वजह रही कि न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर बैठना पड़ा और उनकी जगह मयंक यादव को मौका दिया गया।

## चोपड़ा ने भुवनेश्वर के प्रदर्शन पर उठाए सवाल

आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर साझा किए गए वीडियो में भुवनेश्वर कुमार के प्रदर्शन का विश्लेषण किया। उन्होंने कहा कि शुरुआती तीन टी20 मुकाबलों में भुवनेश्वर ने काफी रन खर्च किए, जिसके बाद उनकी वापसी पर सवाल उठने लगे हैं। चोपड़ा ने कहा, 'इजरी की वजह से प्रसिद्ध कृष्णा को वनडे टीम में नहीं चुना गया। भुवी को वनडे टीम में नहीं चुना गया है। उन्होंने शुरुआती तीन टी20 मैचों में इतने रन दिए हैं कि उनकी वापसी पर सवाल उठ रहे हैं। चौथे टी20 में उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर रखने ने उनकी वापसी पर उठ रहे सवाल को और गहरा दिया है। भुवी की वापसी वैसी नहीं रही है जैसी इंडियन फैंस उम्मीद कर रहे थे।'

## चौथे टी20 में भी भारतीय गेंदबाजों ने लुटाए 259 रन

न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में भारतीय गेंदबाजी एक बार फिर प्रभाव छोड़ने में नाकाम रही। भुवनेश्वर कुमार की गैरमौजूदगी में उतरी भारतीय टीम ने 259 रन खर्च कर दिए। इसके जवाब में भारतीय बल्लेबाज 172 रन ही बना सके और टीम को 87 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस मुकाबले में भुवनेश्वर की जगह मयंक यादव को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया था। हालांकि, भारतीय गेंदबाजी की कमजोरीयां इस मैच में भी उजागर हुईं।

## पांचवें टी20 में भुवनेश्वर की वापसी पर नजर

अब सभी की निगाहें सीरीज के पांचवें और आखिरी टी20 मुकाबले पर टिकी हैं। यदि भुवनेश्वर कुमार को इस मैच में भी मौका नहीं मिलता है, तो उनके अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर को लेकर चर्चाएं और तेज हो सकती हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांचवां टी20 मुकाबला एक नवंबर को हैमिल्टन में खेला जाएगा। भारतीय टीम सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना चुकी है। टीम इंडिया की कोशिश आखिरी मुकाबला जीतकर सीरीज को 4-1 से अपने नाम करने की होगी, जबकि न्यूजीलैंड जीत के साथ सीरीज का अंत 3-2 से करना चाहेगा।





# हॉलीवुड में फिल्म निर्माण से जुड़ीं पूजा बत्रा

बॉलीवुड में कई अभिनेत्रियां ऐसी रही हैं, जिन्होंने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग और फिल्मों से की, लेकिन कुछ समय बाद उनकी जिंदगी ने ऐसा मोड़ लिया कि वे फिल्मी पर्दे से दूर हो गईं। पूजा बत्रा की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। मिस इंडिया का खिताब जीतने के बाद उन्होंने फिल्मों में अपनी पहचान बनाई और फिर निजी जिंदगी के फैसलों के चलते कुछ समय के लिए हिंदी सिनेमा से दूरी बना ली। इसके बाद उन्होंने विदेश में अपनी जिंदगी और करियर को नए सिरे से आगे बढ़ाया।

उन्होंने हॉलीवुड में काम किया और एक फिल्म में अंतरिक्ष यात्री का किरदार निभाया। इस रोल की तैयारी के लिए उन्होंने भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स के जीवन के बारे में भी पढ़ा। अब पूजा अभिनय के साथ फिल्म निर्माण की दुनिया में भी सक्रिय हैं। पूजा बत्रा का जन्म 27 अक्टूबर 1975 को हुआ था। उनके पिता रवि बत्रा भारतीय सेना में कर्नल थे, जबकि उनकी मां नीलम बत्रा ने भी 1971 में मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। सेना में पिता की नौकरी के कारण पूजा को बचपन में अलग-अलग जगहों पर रहना पड़ा। उन्होंने करीब 12 साल में 10 स्कूल बदले। बचपन से ही उन्हें खेलों में दिलचस्पी थी और वह दौड़ की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेती थीं। पूजा ने कम उम्र में ही मॉडलिंग शुरू कर दी थी। एक साबुन के विज्ञापन से उन्हें काफी पहचान मिली। साल 1993 में उन्होंने मिस इंडिया इंटरनेशनल का खिताब जीता। इस उपलब्धि के बाद उनके लिए मनोरंजन की दुनिया में नए रास्ते खुले। हालांकि, उन्होंने

अपनी पढ़ाई भी पूरी की और इसके बाद फिल्मों में कदम रखा। साल 1997 में रिलीज हुई फिल्म 'विरासत' से उन्होंने हिंदी सिनेमा में पहचान बनाई। इस फिल्म में वह अनिल कपूर और तब्बू के साथ नजर आईं। इसके बाद उन्होंने 'भाई', 'हसीना मान जाएगी', 'दिल ने फिर याद किया', 'कहीं प्यार न हो जाए' और 'नायक : द रियल हीरो' जैसी फिल्मों में काम किया। पूजा की जिंदगी में एक ऐसा भी समय आया, जब उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली। उन्होंने अमेरिका में रहने वाले ऑर्थोपेडिक सर्जन सोनू एस. अहलूवालिया से शादी की और लॉस एंजेलिस में रहने लगीं। बाद में दोनों का तलाक हो गया। इस बदलाव के बाद पूजा ने अपने जीवन और करियर को फिर से आगे बढ़ाने पर ध्यान दिया। उन्होंने भारतीय फिल्मों के साथ अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स में भी मौके तलाशे। पूजा के करियर का एक खास पड़ाव 2016 में आई साईस-फिक्शन फिल्म 'वन अंडर द

सन' रही। इस फिल्म में उन्होंने कैथरीन वॉस नाम की अंतरिक्ष यात्री का किरदार निभाया था। कहानी एक ऐसे अंतरिक्ष मिशन की अकेली बची यात्री के बारे में थी, जो धरती पर लौटने के बाद अपनी बीमार बेटी से मिलना चाहती है। फिल्म के लिए तैयारी करते समय पूजा ने कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स के जीवन के बारे में पढ़ा। उन्होंने बताया कि इन अंतरिक्ष यात्रियों से उन्हें किरदार की शारीरिक बनावट और व्यक्तित्व को समझने में मदद मिली। फिल्म की शूटिंग सिर्फ 11 दिनों में पूरी हुई थी। इसे कान फिल्म फेस्टिवल में भी पेश किया गया था। पूजा ने सिर्फ अभिनय तक खुद को सीमित नहीं रखा। वह फिल्म निर्माण के क्षेत्र में भी आगे बढ़ी और लॉस एंजेलिस स्थित अपनी प्रोडक्शन कंपनी ग्लोबल इंक के जरिए प्रोजेक्ट्स से जुड़ीं। साल 2026 में उनकी कंपनी के निर्माण में बनी शॉर्ट फिल्म 'इकोज ऑफ अस' कान फिल्म फेस्टिवल के दौरान दिखाई गई। इस फिल्म में दीपक तिजोरी और स्पेनिश अभिनेत्री एलेसांद्रा व्हेलन मेरिडिज नजर आए।

## पांच साल बाद फिर साथ दिखेगी रजनीकांत और नयनतारा जोड़ी

'जेलर 2' के बाद अब सुपरस्टार रजनीकांत की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'धर्मन' की रिलीज का फैसला बड़ी बेसब्री के साथ इंतजार कर रहे हैं। अब इस मूवी से जुड़ा एक अपडेट सामने आया है। दरअसल, 'थलाइवा' की 'धर्मन' में एक्ट्रेस नयनतारा की भी एंट्री हो गई है। बता दें कि इस फिल्म के जरिए रजनीकांत और नयनतारा पांच साल बाद एक बार फिर साथ नजर आएंगे। दोनों ने आखिरी बार साल 2021 में आई फिल्म 'अन्नान्थे' में साथ काम किया था।

प्रोडक्शन हाउस ने किया नयनतारा का स्वागत

फिल्म के प्रोडक्शन हाउस राज कमल फिल्मस इंटरनेशनल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नयनतारा के फिल्म में शामिल होने की जानकारी दी। एक्ट्रेस का स्वागत करते हुए प्रोडक्शन हाउस ने लिखा, 'अब हमारा अंदाज दोगुना होने वाला है। फिल्म 'धर्मन' में नयनतारा का स्वागत है।'

इन फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं नयनतारा और रजनीकांत

नयनतारा और रजनीकांत इससे पहले भी कई फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। इनमें 'चंद्रमुखी' (2005), 'कुसेलन' (2008), 'दरबार' (2020) और 'अन्नान्थे' (2021) शामिल हैं। हालांकि, फिल्म 'धर्मन' में

नयनतारा का किरदार क्या होगा और इसकी कहानी किस बारे में है, इसे लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

कब रिलीज होगी 'धर्मन'

फिल्म 'धर्मन' का निर्देशन अश्वथ मारिमुथु कर रहे हैं, जबकि इसे एक्टर और फिल्ममेकर कमल हासन प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग इस साल की शुरुआत में शुरू हुई थी और टीम अब तक कई शेड्यूल पूरे कर चुकी है। मेकर्स ने अभी तक फिल्म की रिलीज डेट की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। हालांकि, खबरों के मुताबिक, फिल्म को पोंगल 2027 के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज करने की योजना बनाई जा रही है।



## बैचलर पार्टी डी'यू में पॉली का किरदार निभाएंगी ज्योतिर्मयी

मलयालम फिल्ममेकर अमल नीरद की अपकमिंग फिल्म 'बैचलर पार्टी डी'यू' को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह है। अब मेकर्स ने फिल्म में एक्ट्रेस ज्योतिर्मयी के किरदार का नाम भी सामने ला दिया है। वह फिल्म में पॉली के किरदार में नजर आएंगी। डायरेक्टर अमल नीरद ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी देते हुए लिखा, 'ज्योतिर्मयी इज पॉली।' यह फिल्म साल 2012 में रिलीज हुई अमल नीरद की सफल फिल्म 'बैचलर पार्टी' का सीक्वल है। यही वजह है कि फिल्म को लेकर फैस के बीच खास दिलचस्पी बनी हुई है। सुत्रों के मुताबिक, नई फिल्म की कहानी पिछली फिल्म से जुड़ी होगी, लेकिन इसमें कई नए किरदार भी देखने को मिलेंगे। 'बैचलर पार्टी डी'यू' में एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी। फिल्म में 'प्रेमलु' से देशभर में पहचान बनाने वाले एक्टर नसलेन लीड रोल में हैं। उनके अलावा कुंचाको बॉबन, टोविनो थॉमस, सोबिन शाहिर, श्रीनाथ भासी, शराफुद्दीन, शाइन टॉम चाको, चंदू सलीमकुमार, रज्जीशा विजयन, हंसिका कृष्णा और पेरिस लक्ष्मी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। मेकर्स इससे पहले फिल्म में नादिया मोइद और रज्जीशा विजयन के किरदारों के नाम का भी खुलासा किया था। नादिया फिल्म में अन्ना मेथ्यूज का किरदार निभा रही हैं, जबकि रज्जीशा विजयन सिंपल के रोल में दिखाई देंगी। फिल्म में शाइन टॉम चाको गुरु, चंदू सलीमकुमार मम्मु, श्रीनाथ भासी जावी और शराफुद्दीन पप्पन के किरदार में नजर आएंगे। वहीं, सोबिन शाहिर फिल्म में डेनी की भूमिका निभा रहे हैं। हालांकि, टोविनो थॉमस के किरदार को लेकर मेकर्स ने अब तक सस्पेंस बनाए रखा है। फिल्म से उनका लुक सामने आ चुका है, लेकिन उनके किरदार का नाम नहीं बताया गया है। टोविनो के पोस्टर जारी करते हुए अमल नीरद ने मशहूर अंग्रेजी नाटककार विलियम शेक्सपियर की एक पंक्ति भी लिखी थी, 'हेल इज एम्टी एंड ऑल द डेविल्स आर हियर।' इस पंक्ति का मतलब है कि नरक खाली है और सारे शैतान यहां मौजूद हैं। डायरेक्टर की इस पोस्ट ने फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी है।



## आयशा खान ने फिल्म 'उड़ता तीर' की जमकर सराहना की

आयुष्मान खुराना स्टारर क्रॉस-बॉर्डर स्पाई-कॉमेडी (जासूसी हास्य) फिल्म 'उड़ता तीर' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। अभिनेत्री आयशा खान ने फिल्म की जमकर सराहना की। साथ ही, सभी से फिल्म देखने की अपील भी की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म के एक हास्य सीन की विलप शोयर की, जिसमें अभिनेता आयुष्मान खुराना के साथ अभिनेता संदीप आनंद नजर आ रहे हैं। आयशा खान ने इस विलप की तारीफ करते हुए लिखा, 'मैं संदीप आनंद की बहुत बड़ी फैन हूँ और कल उन्हें स्क्रीन पर देखकर बहुत खुशी हुई। उन्होंने क्या परफॉर्मेंस दी है। मजे ही आ गए तारिक (संदीप आनंद का किरदार) और आप जानते हैं कि अगर आयुष्मान इसमें हैं तो फिल्म धमाकेदार ही होगी।' अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म ने उन्हें बिल्कुल भी बोरे नहीं किया। उन्होंने लिखा, 'इस फिल्म में एक भी किरदार कमजोर नहीं है, शानदार टाइमिंग, इतने अच्छे लिखे हुए सीन्स, कल थिएटर में हंस-हंस के मेरी जान निकल गई, मैं ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहती, प्लीज अपनी फैमिली के साथ थिएटर में जाकर इस फिल्म को जरूर देखें, पैसा वसूल है। इस फिल्म का बैकग्राउंड म्यूजिक भी सबसे बेस्ट पार्ट में से एक है और स्टोरीलाइन आपको आखिर तक बांधे रखती है, क्लाइमेक्स तो कमाल का है, बस अभी जाओ और देखें।' फिल्म 'उड़ता तीर' को दर्शकों की तरफ से मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही है। दर्शकों के अनुसार, फिल्म का पहला हाफ काफी मनोरंजक, तेज और मजेदार है, जिसमें सिचुएशनल कॉमेडी और वन-लाइनर्स अच्छे लगते हैं। वहीं, दूसरा हाफ थोड़ा सुस्त और प्रिडिक्टबल (अनुमान लगाने योग्य) हो जाता है, जहां फिल्म स्पाई कॉमेडी से हटकर देशभक्ति और गंभीर जॉनर की तरफ मुड़ने की कोशिश में थोड़ी उलझ जाती है। आयुष्मान खुराना की कॉमिक टाइमिंग और कंप्यूज्ड एक्सप्रेशंस की काफी तारीफ हो रही है। साथ ही सारा अली खान और सपोर्टिंग कास्ट के काम को भी पसंद किया जा रहा है।



## निमृत कौर अहलूवालिया ने शुरू की नए प्रोजेक्ट के लिए शूटिंग

एक्ट्रेस निमृत कौर अहलूवालिया इन दिनों अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में हैं। वह इसकी शूटिंग के लिए गुजरात पहुंच चुकी हैं। निमृत इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी उत्साहित हैं, क्योंकि इसके जरिए उन्हें एक नए किरदार को निभाने और ऐसे जॉनर में काम करने का मौका मिलेगा, जिसमें उन्होंने पहले कभी हाथ नहीं आजमाया है। एक्ट्रेस का कहना है कि वह अपने काम के जरिए खुद को चुनौती देना चाहती हैं और एक्टिंग के नए पहलुओं को एक्सप्लोर करने के लिए हमेशा तैयार रहती हैं। अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर निमृत ने कहा, 'मैं इस नए प्रोजेक्ट को शुरू करने के लिए काफी उत्साहित हूँ। इसके जरिए मुझे एक बिल्कुल नए किरदार को निभाने और ऐसे जॉनर में काम करने का मौका मिल रहा है, जिसे मैंने पहले एक्सप्लोर नहीं किया है। एक एक्टर के तौर पर मैं हमेशा खुद को चुनौती देना चाहती हूँ, अपनी सीमाओं से आगे बढ़ना चाहती हूँ और अपनी एक्टिंग के नए पहलुओं को जानना चाहती हूँ।' उन्होंने आगे कहा, 'हर प्रोजेक्ट आपको कुछ नया सिखाता है। मैं इस नए सफर को लेकर उत्साहित हूँ और अपने किरदार को पर्दे पर जीवंत करने का इंतजार कर रही हूँ। फिलहाल मैं इस प्रोजेक्ट के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकती, लेकिन मैं चाहती हूँ कि दर्शक जल्द ही देखें कि हम क्या लेकर आ रहे हैं।' सुत्रों के मुताबिक, निमृत अपने नए प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू करने के लिए गुजरात पहुंची हैं। हालांकि, इस प्रोजेक्ट की कहानी, किरदार और बाकी डिटेल्स को फिलहाल सीक्रेट रखा गया है। एक्ट्रेस की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट के बाद से ही उनके नए प्रोजेक्ट को लेकर फैस के बीच उत्सुकता बढ़ गई है।



## क्या असल जिंदगी के एनकाउंटर स्पेशलिस्ट पर आधारित है 'प्रताप'

अमित साह की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'प्रताप' के ट्रेलर ने दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। फिल्म में अमित साह एक एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की भूमिका निभा रहे हैं। ट्रेलर रिलीज होने के बाद दर्शक कमेंट सेक्शन में यह कयास लगा रहे हैं कि क्या फिल्म की कहानी असल जिंदगी के पुलिस अधिकारियों से प्रेरित है। कई दर्शक अमित के ऑन-स्क्रीन किरदार की तुलना मुंबई पुलिस के अधिकारियों दया नायक और सचिन वाजे

से कर रहे हैं और जानना चाहते हैं कि क्या कहानी का उनकी जिंदगी से कोई संबंध है। सचिन सराफ के लेखन और निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण यूवी फिल्मस के बैनर तले प्रदीप रंजानी ने किया है। फिल्म में ईशा देओल, सीमा बिस्वास, तिममाशू धूलिया और मिलिंद गुनाजी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'प्रताप' 20 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म के आधिकारिक यूट्यूब ट्रेलर के कमेंट सेक्शन में दर्शकों की यह उत्सुकता साफ नजर आ रही है। कई यूजर्स ने सवाल उठाए हैं कि क्या अमित साह का किरदार किसी वास्तविक पुलिस अधिकारी से प्रेरित है। एक यूजर ने पूछा, 'कहीं ये दया नायक की स्टोरी तो नहीं है?' वहीं, एक अन्य यूजर ने लिखा, 'ये सचिन वाजे की लाइफ से इस्पाईड है क्या?' एक दर्शक ने सवाल किया, 'क्या यह सचिन वाजे की कहानी पर आधारित है?' कुछ अन्य दर्शकों ने भी फिल्म की कहानी के सचिन वाजे या दया नायक की जिंदगी से जुड़े होने की संभावना पर सवाल उठाए। कई दर्शकों द्वारा इसी तरह के सवाल पूछे जाने से साफ है कि ट्रेलर ने अमित साह के किरदार और उसकी पृष्ठभूमि को लेकर लोगों की जिज्ञासा बढ़ा दी है। जहां फैस सोशल मीडिया पर फिल्म की संभावित वास्तविक प्रेरणा को लेकर चर्चा कर रहे हैं, वहीं यह देखना दिलचस्प होगा कि 'प्रताप' की कहानी किसी खास पुलिस अधिकारी से प्रेरित है या फिर एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की दुनिया पर आधारित एक काल्पनिक कहानी है। फिलहाल, फिल्म के किसी वास्तविक पुलिस अधिकारी पर आधारित होने को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

## संक्षिप्त

## समाचार

पाकिस्तान में एंबुलेंस में  
ऑक्सीजन सिलेंडर फटने  
से 10 की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में गुरुवार को एक एंबुलेंस के अंदर ऑक्सीजन सिलेंडर फटने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक महिला भी शामिल है। हादसा थारपारकर जिले के नगरपारकर इलाके में हुआ। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने घटना की पुष्टि की है। पुलिस के मुताबिक, एंबुलेंस दानो धंधल स्थित एक बुनियादी स्वास्थ्य केंद्र से महिला को जिला अस्पताल मीठी ले जा रही थी। प्रसव के बाद जटिलताएं होने के कारण महिला को बेहतर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जाना था। थारपारकर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) आरिफ अजीज जाफरी ने बताया कि अब तक 10 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जिनमें संबंधित महिला भी शामिल है। उन्होंने कहा कि एंबुलेंस के अंदर चालक द्वारा ऑक्सीजन सिलेंडर को झड़-उधर करते समय उसमें विस्फोट हो गया। उन्होंने कहा कि इस घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और आगे की जांच चल रही है। इससे पहले, पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के राजनपुर में एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। कराची से डेरा गाजी खान जा रही एक यात्री बस निर्माण कार्य वाले राजमार्ग पर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। इस हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए। मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। पाकिस्तान की राष्ट्रीय आपातकालीन सेवा रेस्क्यू 1122 के मुताबिक, प्रत्यक्षदर्शियों ने बस की रफ्तार तेज होने की आशंका जताई, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है।

बोस्निया में बड़ा हेलीकॉप्टर हादसा :  
यूरोपीय संघ के शांति मिशन के चार  
कर्मियों की मौत, 11 घायल; जांच शुरू

साराजेवो, एजेंसी। बोस्निया-हर्जोगोविना के उत्तरी इलाके में यूरोपीय संघ के शांति मिशन (इंयूफोर) का एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में हेलीकॉप्टर में सवार चार कर्मियों की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हो गए। इंयूफोर ने बताया कि सभी घायलों की हालत स्थिर है और उनका इलाज चल रहा है। हादसा ब्रचको शहर के आसपास हुआ। इटली का सीएच-47 निचुक हेलीकॉप्टर नियमित प्रशिक्षण अभ्यास में शामिल था। इसी दौरान वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। समाचार पोर्टल विलक्स ने घटनास्थल की तस्वीरें प्रकाशित की हैं, जिनमें हेलीकॉप्टर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हालत में एक मैदान में पड़ा दिखाई दे रहा है। इंयूफोर ने बताया कि दुर्घटना की गहन और विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। घटना से जुड़ी आंतरिक जांचकारी बाद में साझा की जाएगी। राहत की बात यह रही कि हादसे में किसी आम नागरिक को चोट नहीं आई। आसपास की नागरिक संपत्ति, इमारतों और वाहनों को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

यमन के हूतियों ने सऊदी अरब  
के तेल, हवाई अड्डों और सैन्य  
टिकानों पर किया हमला

सना, एजेंसी। यमन के हूती गुप ने सऊदी अरब पर हमले का दावा किया है। हूती ने कहा कि उसने सऊदी अरब में तेल सुविधाओं, हवाई अड्डों और एक सैन्य टिकाने पर छह मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, हूती गुप के सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने हूति-संचालित 'अल-मसीराह टीवी' पर प्रसारित एक बयान में कहा कि तीन बैलिस्टिक मिसाइल हमलों में सऊदी अरब के पूर्वी प्रांत में स्थित 'रास तानूर रिफाइनरी' और 'अक्काइक' में सऊदी अरामको की सुविधाओं को निशाना बनाया गया। इसके अलावा, देश के लाल सागर तट पर स्थित 'राबिग रिफाइनरी' को भी निशाना बनाया गया। सरिया ने बताया कि दो अन्य ऑपरेशंस में सऊदी अरब की राजधानी रियाद स्थित 'किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे' पर मिसाइलों से, और पूर्वी प्रांत के रम्मम में स्थित 'किंग फहद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे' पर ड्रोन से हमला किया गया। हूती के सैन्य प्रवक्ता ने दावा किया कि इस हमले के कारण हवाई यातायात बाधित हुआ। याह्या सरिया ने यह भी बताया कि हूती गुप ने दक्षिणी सीमावर्ती क्षेत्र नजरान स्थित सऊदी सैन्य बलों के 'कमांड सेंटर' को भी निशाना बनाया है। उन्होंने दावा किया कि इस हमले में कई सैनिक और अधिकारी हताहत हुए हैं। इसके अलावा, सरिया ने कहा कि ये हमले यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्रों पर सऊदी अरब की ओर से हाल ही में किए गए हमलों के जवाब में किए गए हैं।

## रूस ने अमेरिका प्रतिबंधों के खिलाफ क्यूबा का किया समर्थन

मॉस्को , एजेंसी। अमेरिका प्रतिबंधों के खिलाफ रूस ने क्यूबा का समर्थन किया है। रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वह क्यूबा पर लगे अमेरिकी आर्थिक, वाणिज्यिक और वित्तीय प्रतिबंधों को हटाने की कोशिश में अपना समर्थन देना जारी रखेगा। मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर जारी एक बयान में कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बुधवार को एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें इन प्रतिबंधों को खत्म करने की मांग की गई है। इस प्रस्ताव के पक्ष में 130 वोट पड़े, 17 वोट इसके खिलाफ थे, जबकि 25 देशों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। मंत्रालय ने बताया कि रूस ने इस

प्रस्ताव का समर्थन किया। साथ ही कहा कि वोट के नतीजों ने यह साबित किया है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने हवाना (क्यूबा) के खिलाफ लगाए गए इन अवैध और अमानवीय प्रतिबंधों की लगभग समसम्मति से और दृढ़तापूर्वक निंदा की है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय ने कहा कि इस साल क्यूबा पर आर्थिक और सैन्य दबाव अभूतपूर्व रूप से बढ़ा है। इसके साथ ही एनर्जी ब्लॉकैड ने आम नागरिकों को अस्तित्व बचाने के संकट के कगार पर ला खड़ा किया है। मंत्रालय ने चेतावनी दी कि अगर क्यूबा में सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था पूरी तरह ढह



जाती है, तो वहां से बड़ी संख्या में लोग पड़ोसी देशों की ओर पलायन कर सकते हैं, जिससे क्षेत्र में एक बड़ा प्रवासन संकट पैदा हो सकता है। वहीं, रूस ने अपने देश की संप्रभुता और स्वतंत्रता को रक्षा कर रही क्यूबा की सरकार और

और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ मिलकर काम करने का वादा किया, ताकि इस द्वीप देश पर लगे प्रतिबंधों को जल्द से जल्द, पूरी तरह से और बिना किसी शर्त के हटाया जा सके। इस बीच, भारत ने बुधवार को एक बार फिर उन कानूनों को खारिज कर दिया जो दूसरे देशों की संप्रभुता पर बुरा असर डालते हैं। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के उस प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया, जिसमें क्यूबा पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों को खत्म करने की मांग की गई है। संयुक्त राष्ट्र में भारतीय मिशन की काउंसलर सोम्या नायर ने कहा कि नई दिल्ली महसूस कर रही है कि अपील का समर्थन करती है,

जिसमें सभी देशों से कहा गया है कि वे 'ऐसे कानूनों और नियमों को खारिज करें, जिनका असर देश की सीमाओं के बाहर तक होता है' क्यूबा के खिलाफ आर्थिक, वाणिज्यिक और वित्तीय प्रतिबंधों को खत्म करने की मांग वाले प्रस्ताव पर मतदान से पहले बोलते हुए उन्होंने कहा, 'भारत, असेंबली की उस अपील को दोहराता है जिसमें सभी देशों से कहा गया है कि वे ऐसे कानूनों और उपायों को लागू करने से बचें, और संयुक्त राष्ट्र चार्टर व अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों के अनुरूप, ऐसे कानूनों और उपायों को रद्द करें और अमान्य घोषित करें।

इजराइल चुनाव- सरकार बनाने  
की कोशिशों में जुटे आइजनकोट

## तीन विपक्षी नेताओं से मुलाकात की; बोले- नेतन्याहू चुनाव को बदनाम कर रहे

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल में चुनाव के बाद विपक्षी नेता गदी आइजनकोट सरकार बनाने की कोशिशों में जुट गए हैं। उन्होंने डेमोक्रेट्स पार्टी के प्रमुख यायर गोलान, बियाचाद के प्रमुख नप्ताली बेनेट और विपक्षी नेता यायर लैपिड से मुलाकात की है। आइजनकोट ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू और उनकी लिक्वुड पार्टी चुनाव नतीजों को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें बहुमत नहीं मिला। चुनाव में अब तक आइजनकोट के गठबंधन को 48 सीटें मिली हैं, जबकि नेतन्याहू के खेमे को 53 सीटें मिली हैं। इजराइल की संसद में कुल 120 सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए 61 सीटों का समर्थन जरूरी है। वहीं, अरब पार्टियों को 19 सीटें मिली हैं। ऐसे में किसी भी खेमे के पास बहुमत नहीं है। सरकार बनाने के लिए दोनों खेमों को दूसरे दलों का समर्थन जुटाना होगा।

अर्जेंटीना के राष्ट्रपति ने नेतन्याहू को चुनाव में जीत की बधाई दी। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई और इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू यरूशलम में मुलाकात के दौरान। यह तस्वीर 19 अप्रैल 2026 की है। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई और इजराइल के प्रधानमंत्री



नेतन्याहू यरूशलम में मुलाकात के दौरान। यह तस्वीर 19 अप्रैल 2026 की है। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई ने प्रधानमंत्री नेतन्याहू को चुनाव में जीत की बधाई दी है। उन्होंने लिक्वुड पार्टी की जीत को बड़ी कामयाबी बताया। मिलेई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म झू पर लिखा कि लिक्वुड एक बार फिर इजराइल की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत बनकर उभरी है।

मिलेई ने कहा कि नेतन्याहू ने विरोधी सर्वे और चुनावी अनुमानों के बावजूद अपने नेतृत्व की ताकत दिखाई है। अर्जेंटीना और इजराइल पश्चिमी मूल्यों को चुनौती देने वाली ताकतों के खिलाफ रणनीतिक साझेदार बने रहेंगे। रिपोर्ट- नेतन्याहू के

सेवा के पक्ष में हैं, जबकि यूनाइटेड टोरा जूडिज्म इसका विरोध करती है। ऐसे में दोनों के बीच सहमति बनना मुश्किल हो सकता है। आइजनकोट बोले- नेतन्याहू चुनाव को बदनाम करने की कोशिश कर रहे गदी आइजनकोट ने नेतन्याहू पर चुनाव के नतीजों को बदनाम करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि लिक्वुड पार्टी बहुमत हासिल नहीं कर सकी, इसलिए चुनाव पर सवाल उठा रही है। आइजनकोट ने साफ किया कि वे संसद (नेसेट) की बैठक तय समय पर होने से रोकने नहीं देंगे। इजराइल की 120 सदस्यीय संसद (नेसेट) में पूर्ण बहुमत के लिए 61 सीटों की दरकार है, लेकिन मौजूदा नतीजों ने किसी भी एक गुट को स्पष्ट जनादेश नहीं दिया है: प्रधानमंत्री नेतन्याहू के नेतृत्व वाले दक्षिणपंथी ब्लॉक को 53 सीटें मिली हैं। विपक्षी गठबंधन: गदी आइजनकोट के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन के खाते में 48 सीटें आई हैं। अरब पार्टियां व अन्य: अरब पार्टियों ने 19 सीटों पर जीत दर्ज की है। किसी भी खेमे के पास अपने दम पर स्पष्ट बहुमत नहीं होने के कारण सत्ता की चाबी अब छोटे दलों और स्वतंत्र गुटों के रख पर टिक गई है।

भूटान में शिंताफू हिमनद झील फटी,  
असम-बंगाल में बाढ़ का अलर्ट

थिम्पू, एजेंसी। भूटान के गासा जिले में स्थित शिंताफू हिमनद झील के फटने के बाद भारत के सीमावर्ती इलाकों में अचानक बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है। भारत सरकार ने पश्चिम बंगाल और असम के कुछ हिस्सों के लिए एक विशेष परामर्श जारी किया है, जिसमें चेतावनी दी गई है कि संकोश नदी के जलस्तर में भारी वृद्धि हो सकती है। यह घटना बृहस्पतिवार शाम को भूटान के गासा जिले के लाया गेबोम में लुंगो स्थित वाकिला पर्वत के नीचे मौजूद शिंताफू झील में हुई। नदी के किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क करने के लिए सायरन बजाए गए, जबकि प्रभावित इलाके के निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया। शिंताफू झील भूटान की 17 अत्यधिक संवेदनशील और संभावित रूप से खतरनाक हिमनद झीलों में शामिल है। यह झील भूटान के पुनात्संगखु नदी बेसिन में स्थित है। यह नदी भारत में प्रवेश करने पर संकोश नदी के नाम से जानी जाती है और उत्तरी बंगाल और असम के बड़े हिस्से से

होकर गुजरती है। अचानक जलस्तर बढ़ने से तटवर्ती बस्तियों, मवेशियों, फसलों और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंच सकता है। दोनों राज्यों का स्थानीय प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

अमेरिका के ओरेगन में दो हेलीकॉप्टरों की टक्कर, प्रमुख राजमार्ग बंद : ओरेगन , एजेंसी। ओरेगन में पोर्टलैंड के दक्षिण-पश्चिम में एक छोटे हवाई अड्डे के पास बृहस्पतिवार दोपहर (अमेरिकी समय) दो हेलीकॉप्टरों की टक्कर हो गई। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के कारण एक प्रमुख राजमार्ग बंद करना पड़ा। यामहिल काउंटी शेरिफ ऑफिस के अनुसार, मैकमिनविल एयरपोर्ट के कुछ किलोमीटर पूर्व में यह दुर्घटना हुई। अधिकारियों के पास हेलीकॉप्टरों में सवार लोगों की संख्या या उनकी स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं है। ओरेगन डिपार्टमेंट ऑफ ट्रांसपोर्टेशन ने बताया कि दुर्घटना के कारण डेडन के 1.6 किलोमीटर पश्चिम में हाईवे 233 बंद कर दिया गया है।

पश्चिम एशिया: होर्मुज में बढ़ रहा है समुद्री खतरा? टैंकर  
पर हमले के बाद अलर्ट, ब्रिटिश एजेंसी ने दी जानकारी

खासाब, ओमान , एजेंसी। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे एक टैंकर पर एक छोटी नाव के जरिए हमला किया गया। नाव से टैंकर के ढांचे पर दो विस्फोटक उपकरण लगा दिए गए, जिससे इंजन रूम में आग लग गई और जहाज कुछ समय के लिए निष्क्रिय हो गया। यूकेएमटीओ के अनुसार, यह घटना गुरुवार को लगभग 2212 यूटीसी पर, ओमान के खासाब से लगभग 25 नॉटिकल मील उत्तर-पूर्व में हुई। शुक्रवार को जारी एक अपडेट में, यूकेएमटीओ ने बताया कि चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं। यूकेएमटीओ ने कहा, 'रिपोर्ट से पता चलता है कि एक छोटी नाव टैंकर के



बाई और (पोर्ट साइड) आई और उसने पानी की सतह के ऊपर टैंकर के ढांचे पर दो विस्फोटक उपकरण लगा दिए।' इसमें आगे बताया गया कि इसके बाद हुए विस्फोटों से इंजन रूम में आग लग गई, जिससे जहाज कुछ समय के लिए निष्क्रिय हो गया। समुद्री

सुरक्षा एजेंसी ने कहा, 'अब आग बुझ चुकी है और जहाज अपने अगले गंतव्य बंदराह की ओर बढ़ रहा है।' शुरुआत में यूकेएमटीओ को एक रिपोर्ट मिली थी कि बाहर जा रहे एक टैंकर में आग लग गई है। उस समय घटना के कारण, चालक दल की स्थिति, नुकसान के आकलन के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। ताजा अपडेट के बाद, यूकेएमटीओ ने इस क्षेत्र से गुजरने वाले जहाजों को सावधानी बरतने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने की सलाह दी है। एजेंसी ने कहा, 'जब तक अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं, तब तक जहाजों को सलाह दी जाती है कि वे सावधानी से आगे बढ़ें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना

यूकेएमटीओ को दें।' यह घटना ऐसे समय में हुई है जब रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य से होने वाले समुद्री यातायात को लेकर तनाव बढ़ा हुआ है। ईरानी सैन्य अधिकारियों ने इस जलमार्ग पर अपना नियंत्रण जताते हुए व्यावसायिक जहाजों को उन क्षेत्रों से न गुजरने की चेतावनी दी है, जिन्हें वे प्रतिबंधित और असुरक्षित मानते हैं। ईरान की नौसेना के जनसंपर्क विभाग ने सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के माध्यम से एक बयान जारी कर दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य के पूर्व में एक प्रतिबंधित क्षेत्र से गुजर रहे एक टैंकर में, एक नौसैनिक खदान (नेवल माइन) से टकराने के बाद आग लग गई। बयान में कहा गया है।

अटलांटा , एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर शुक्रवार को जी20 विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय बैठक में शामिल होने के लिए अटलांटा पहुंचे। अमेरिका के अनुसार, इस बैठक में एनर्जी, स्पलाई चैन और समुद्री रास्तों को खुला रखने पर फोकस रहेगा। ये ऐसे मुद्दे हैं, जो भारत के तेल, एलएनजी और उर्वरक आयात के लिए बेहद अहम हैं। वे इस बैठक के दौरान क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भी हिस्सा लेंगे। बैठक से पहले अमेरिकी विदेश विभाग के एक अधिकारी ने कहा, 'जरूरी संकटों से निपटने और महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को बिना किसी खतरे या टोल के व्यापार के लिए खुला रखने का साझा संकल्प है। यह एनर्जी संसाधनों के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन उत्पना ही उर्वरक और भोजन के लिए भी महत्वपूर्ण है। ' यह बैठक विदेश मंत्री माकों रबियो की मेजबानी में हो रही है। भारत दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातकों में से एक है। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और होर्मुज स्ट्रेट के आसपास हो रहे व्यवधान के कारण भारत के लिए एनर्जी सुरक्षा सबसे बड़ा मुद्दा बन गई है। अमेरिकी अधिकारी ने कहा, 'एनर्जी दुनिया भर में आर्थिक विकास की बुनियाद है और इसकी पहुंच सरल और भरपूर होनी चाहिए। अधिकारी ने कहा, 'क्रिटिकल मिनरल्स की स्पलाई चैन एनर्जी सुरक्षा और एड्वांस मैनुफैक्चरिंग के लिए बेहद जरूरी है और अन्य स्पलाई चैन भी आवश्यक हैं, खासकर उर्वरक,

अटलांटा पहुंचे विदेश मंत्री एस  
जयशंकर, अमेरिका ने समुद्री मार्गों,  
ऊर्जा और स्पलाई चैन पर दिया जोर

एलएनजी, तेल और मैनुफैक्चरिंग के लिए अन्य कच्चे माल के लिए।' अधिकारी ने कहा, 'अटलांटा में बातचीत एनर्जी और स्पलाई चैन नीतियों पर चर्चा करने और आर्थिक सुरक्षा पर भू-राजनीतिक तनाव के प्रभाव से निपटने के तरीकों की पहचान करने का अवसर प्रदान करेगी।' नई दिल्ली में बुधवार को इस दौर की घोषणा करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था, 'विदेश मंत्री 30 से 31 अक्टूबर तक अटलांटा में होने वाली जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होंगे। इस बैठक के दौरान, वे क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भी भाग लेंगे और अपने समकक्षों के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।' ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वॉग ने कहा कि वह इस साल की तीसरी क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए अमेरिका, भारत और जापान के समकक्षों से मिलेंगे। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया ईयू के नेतृत्व वाले 'नो फीस 'नो टोल्स' संकल्प में शामिल हो गया है, जो गैरकानूनी फीस और टोल का विरोध करता है।

'तुम बहुत खराब दिख रहे हो': अपनी  
सेहत पर सवाल सुनते ही भड़के राष्ट्रपति  
ट्रंप, पत्रकार से कहा- खुद को फिट करो

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को एक पत्रकार पर निजी हमला किया। दरअसल, जब पत्रकार ने ट्रंप की सेहत और कंसास तथा आयोवा में होने वाली चुनाव रैलियों को रद्द करने के उनके फैसले के बारे में सवाल किया। इस पर ट्रंप ने उनके शारीरिक रूप-रंग पर टिप्पणी करते हुए कहा कि, खुद को फिट रखने की सलाह दी। यह बहस तब शुरू हुई जब पत्रकार ने पूछा कि क्या कंसास न जाने का ट्रंप का फैसला इसलिए लिया गया क्योंकि देश भर में हफ्तों तक चुनाव प्रचार करने के बाद उनकी तबीयत ठीक नहीं है? ट्रंप अचानक गुस्से में आ गए। उन्होंने पत्रकार से कहा, 'ओह, ऐसा सवाल पूछने के लिए आप बीमार हैं। आप बीमार हैं। जब रिपोर्टर ने साफ किया कि वह केवल राष्ट्रपति का हाल-चाल पूछ रहा था, तो ट्रंप ने उस व्यक्ति के शारीरिक रूप-रंग पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कुछ पल के लिए पत्रकार की नकल उतारी और उसके सवाल को दोहराया। ट्रंप ने कहा, 'इस आदमी को देखो। इसका शरीर बिल्कुल भी ठीक नहीं है।' जब उनसे फिर पूछा गया कि क्या उनकी तबीयत ठीक है, तो राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि उनका स्वास्थ्य एकदम सही है। उन्होंने कहा, 'मैं पिछले दो हफ्तों से खुद पर नजर रख रहा हूं।' बिल्कुल ठीक महसूस कर रहा हूं।' इसके बाद उन्होंने उस व्यक्ति पर एक और निजी हमला किया। ट्रंप ने

टिप्पणी की, 'तुम बहुत भड़े लग रहे हो। अपने शरीर को ठीक करो। तुम बहुत ही खराब दिख रहे हो।' यह तीखी बहस तब हुई जब ट्रंप ने कैनसस और आयोवा में सप्ताहांत के लिए तय अपने चुनाव प्रचार कार्यक्रमों को रद्द करने का फैसला किया। इन जगहों पर मंगलवार को होने वाले मध्यावधि चुनावों (मिडटर्म इलेक्शन) में रिपब्लिकन पार्टी को कड़े मुकाबले का सामना करना पड़ रहा है। ये रैलियां शनिवार को कैनसस के सलीना और रविवार को आयोवा के ड्युक में होनी थीं। ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि उन्हें कि ऐसा नहीं लाता कि उन्हें कैनसस जाने की जरूरत है। इसके साथ ही उन्होंने इस राज्य में रिपब्लिकन सीनेटर रोजर मार्शल की जीत की संभावनाओं पर भरोसा जताया। बाद में रिपब्लिकन नेशनल कमिटी ने आयोवा रैली के रद्द होने की भी पुष्टि कर दी। ट्रंप के कैपेन फॉडिंग ग्रुप, 'स्त्राइ इंक' ने बताया कि ट्रंप खुद वहां जाने के लिए पत्रकारों की नकल उतारी और उसके सवाल को दोहराया। ट्रंप ने कहा, 'इस आदमी को देखो। इसका शरीर बिल्कुल भी ठीक नहीं है।' जब उनसे फिर पूछा गया कि क्या उनकी तबीयत ठीक है, तो राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि उनका स्वास्थ्य एकदम सही है। उन्होंने कहा, 'मैं पिछले दो हफ्तों से खुद पर नजर रख रहा हूं।' बिल्कुल ठीक महसूस कर रहा हूं।' इसके बाद उन्होंने उस व्यक्ति पर एक और निजी हमला किया। ट्रंप ने

अमेरिका के 10 सैन्य विमान इजराइल में उतरे  
ट्रम्प की पश्चिम एशिया के टॉप कमांडर से मुलाकात, ईरान पर फिर हमले की तैयारी

रहे हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, दोनों देश छोटी लेकिन तेज सैन्य कार्रवाई पर विचार कर रहे हैं। इसमें ईरान के ऊर्जा टिकानों, परमाणु केंद्रों और मिसाइलों व ड्रोन के भंडार को निशाना बनाया जा सकता है। हालांकि, ट्रम्प अभी सैन्य कार्रवाई नहीं करने का फैसला भी ले सकते हैं। सऊदी, कतर, कुवैत में भी सैन्य मौजूदगी बढ़ा रहा अमेरिका

विमानों में क्या सामान लाया गया, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका संभावित युद्ध से पहले पश्चिम एशिया में अपनी हवाई सुरक्षा मजबूत कर रहा है। अमेरिका टेक्सास से पैट्रियट मिसाइल सिस्टम की एक बैटरी भी पश्चिम एशिया भेज रहा है। इसका इस्तेमाल दुश्मन के मिसाइल हमलों को रोकने के लिए किया जाता है। ब्रिटिश अखबार द टेलीग्राफ के मुताबिक, ईरान ने इजराइल के चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की थी। साथ ही वह अगले हफ्ते होने वाले अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में भी दखल देने की तैयारी कर रहा था। अखबार ने ईरानी अधिकारियों के हवाले से बताया कि इसके लिए एजेंटों की भर्ती और अमेरिकी चुनाव सिस्टम को हैक करने वाले साइबर समूह बनाने की कोशिश की गई।